दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। सोमवार 30 मार्च -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 96 पेज-08 ● RNI NO. DELHI/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

दादरी रैली से अखिलेश का चुनावी शंखनाद : बोले, '2027 में भाजपा की विदाई निश्चित'

सपा पेंशन योजना फिर शुरू करने का वादा, किसानों को बाजार दर पर मुआवजा और 4 प्रतिशत प्लॉट का आश्वासन

ग्रेटर नोएडाः समाजवादी पार्टी आज ग्रेटर नोएडा के दादरी में 'समाजवादी समानता भाईचारा रैली' आयोजित कर रही है, जिसे वर्ष 2027 विधानसभा चुनाव अभियान की शुरूआत माना जा रहा है। रैली को संबोधित करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर प्रहार किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान का जवाब दिया। मोदी ने कहा था कि अंधविश्वास के कारण पुरानी सरकारों के मुख्यमंत्री नोएडा आने से डरते थे।

अखिलेश ने पीएम मोदी और सीएम योगी का नाम लिए बिना कहा कि कल कुछ लोग नोएडा आए थे, जो बोलते हुए चले गए कि 'हम नोएडा नहीं आते'। मैं इस मंच से दोनों को बता दूं कि जितनी चाय उन्होंने मिलकर नहीं पी होगी, उससे कहीं ज्यादा बार मैं यहां अपने कार्यकताओं के घर पहुंचा हूं। अखिलेश यादव ने रैली में आश्वासन दिया कि भविष्य में 1090 सेवा को और सशक्त बनाकर अपनी बहनों को मजबूत सुरक्षा प्रदान करेंगे। समाजवादी पेंशन योजना पुनः आरंभ करेंगे। साथ ही गरीब माताओं और बहनों के लिए प्रतिवर्ष 40 हजार रुपये देकर उनका सम्मान बढ़ाने का कार्य करेंगे।

'उत्तर प्रदेश के साथ दिल्ली से भी भाजपा की विदाई निश्चित है' : अखिलेश यादव ने कहा कि भविष्य में जो भी चरण विकसित होंगे, यदि किसान भाइयों की जमीन ली जाएगी तो उसे बाजार मूल्य पर ही खरीदा जाएगा। हम 64 प्रतिशत मुआवजा देंगे और 4 प्रतिशत प्लॉट की सुविधा भी प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि कल की रैली की सच्चाई हमारे कई साथियों ने उजागर कर दी है। कोई कैमरे की नजर से बच नहीं सकता। जो पार्टी खुद को दुनिया की सबसे बड़ी बताती है, उसे सरकारी कर्मचारियों का सहारा लेना पड़ा। विश्वविद्यालय से न केवल छात्रों को बुलाया गया, बल्कि उन्हें रैली के बाद छुट्टी देने का लालच भी दिया गया। अखिलेश ने जोर देकर कहा कि भाजपा की उत्तर प्रदेश के साथ दिल्ली से भी विदाई निश्चित है।

'हमें परिवर्तन लाना है' : अखिलेश यादव ने कहा कि हम तो 10 साल से सत्ता से बाहर हैं, कम से कम अपने 'छोटे एटीएम' का तो हिसाब रख लो। इस एटीएम ने पूरी दुनिया को परेशान कर रखा है। उन्होंने याद दिलाया कि हमने वह लड़ाई लड़ी थी, जब दूसरे लोग हमारे इतिहास और सम्राटों को भी छीनने की कोशिश कर रहे थे। वर्ष 2027 में सरकार बनवाइए, हम राजधानी लखनऊ में ढऊअ के महापुरुषों के योगदान को जीवंत करने के लिए रिवर फ्रंट पर उनकी प्रतिमाएं स्थापित करेंगे।

किसानों के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा- अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने ग्रेटर नोएडा के दादरी में आयोजित रैली में भाजपा पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास 9 वर्षों का कोई हिसाब नहीं है, इसलिए उन्होंने आधे-अधूरे सिरे पर ही उद्घाटन कर दिया। अखिलेश ने दावा किया कि इस प्रोजेक्ट के लिए एनओसी प्राप्त करने का कार्य समाजवादी पार्टी ने ही किया था। साथ ही उन्होंने किसानों के प्रति भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि फिलहाल तो सिर्फ एक चरण का उद्घाटन हुआ है। आगे कई और चरणों का उद्घाटन बाकी है और हमारा वचन है कि किसानों के साथ जमीन अधिग्रहण में कोई भेदभाव नहीं होगा।

'भाजपा सिर्फ चुनिंदा लोगों के लिए काम कर रही है'

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दादरी में हुई एक बड़ी जनसभा में महत्वपूर्ण राजनीतिक बयान दिया। उन्होंने कहा कि सपा 95 प्रतिशत पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) समाज के अधिकारों और सम्मान के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने वर्तमान सरकार पर आरोप लगाया कि वह देश-प्रदेश में सिर्फ चुनिंदा लोगों के फायदे के लिए काम कर रही है, जबकि समाजवादी पार्टी गरीबों, किसानों, मजदूरों और नौजवानों की आवाज बनी हुई है।

मोदी के बयान पर अखिलेश ने किया पलटवार

अखिलेश ने कहा कि हमारी सरकार ने दिल्ली को नोएडा से जोड़ने के लिए मेट्रो सुविधा प्रदान की थी। हमारी सरकार ने नोएडा के विकास के लिए एक के बजाय अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इन लोगों के पास गिनाने को कुछ नहीं बचा, इसलिए ऐसी बेतुकी बातें फैला रहे हैं। बता दें कि पिछले शनिवार को जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सपा पर तीखा प्रहार किया था।

क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया के खाते में दर्ज हुआ प्रधानमंत्री की जनसभा का सफल आयोजन

अनुशासन में रहे सभी कार्यकर्ता और रैली में दिखा अपार जनसमूह

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एक बड़ा आयोजन और उस आयोजन की ऐसी जिम्मेदारी जिसमें मंच से लेकर मंच के सामने तक की पूरी व्यवस्था संभालनी है। सरकारी स्तर पर जो इंतजाम होंगे वो होंगे ओर जिन्हें उस व्यवस्था को देखना है वो देखेंगे। लेकिन संगठन स्तर पर कई चुनौतियां होती हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ये प्रधानमंत्री का ऐसा आयोजन हो रहा है जिसमें एयरपोर्ट से जुड़ी व्यवस्थायें सरकारी मशीनरी देखेगी और समस्त जिम्मेदारियों संगठन के पास हैं। यहां पर क्षेत्रीय अध्यक्ष के रूप में सतेन्द्र सिसौदिया के हिस्से में एक सफल कार्यक्रम दर्ज हुआ है। ये कार्यक्रम इन मायनों में बड़ा है कि यहां प्रधानमंत्री जनसभा को संबोधित करने आ रहे हैं। जिस केन्द्र में ये आयोजन है उसके केन्द्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में होने वाली इस जनसभा में 18 विधानसभाओं को जोड़ा गया था। गाजियाबाद जिले की पांचो विधानसभायें थीं।

हापुड़, बुलंदशहर, गौतमबुद्धनगर के अलावा मथुरा की माठ विधानसभा भी इसमें ली गयी थी। बड़ा आयोजन और व्यापक तैयारी, संगठन स्तर पर एक एक कदम ध्यान से रखना है। कमान संभालनी है और कार्यकर्ताओं से लेकर प्रवासी और जनप्रतिनिधियों से लेकर मंडल के अध्यक्ष को भी दायित्व देना है। कुल मिलाकर सार ये कि संगठन के कंधों पर ये दायित्व आ गया। क्षेत्रीय अध्यक्ष के पास स्वभाविक रूप से ये बड़ी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम पूरी तरह सफल हुआ है तो इसका श्रेय भी संगठन को जाता है। वेस्ट यूपी का कार्यक्रम है और यहां बेस्ट अध्यक्ष के रूप में वेस्ट यूपी के भाजपा अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया का नाम सबसे आगे है। सतेन्द्र सिसौदिया अब रिपीट होंगे या उनका प्रमोशन होगा ये देखने की बात है। चूंकि अब नये क्षेत्रीय अध्यक्ष आयेंगे लिहाजा प्रधानमंत्री की जनसभा वाले आयोजन में सभी की नजर पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर थी। सतेन्द्र सिसौदिया अपनी पारी को बेहद जिम्मेदारी से खेलते नजर आये। संगठनात्मक स्तर पर खुद को साबित किया। ये दिखा दिया कि किस तरह से एक सफल कार्यक्रम की बागडोर को संभाला जाता है।

70 हजार चेयर और कार्यक्रम रहा पूरी तरह फेयर

करंट क्राइम। वेस्ट यूपी में प्रधानमंत्री की जनसभा को रही है तो वेस्ट यूपी के भाजपा अध्यक्ष के रूप में सतेन्द्र सिसौदिया की सबकी निगाहें थीं। एक सफल कार्यक्रम उनके हिस्से में आया है। यहां पर बताया जाता है कि क्षमता से डबल वाला सीन है। मेरठ में जब रेपिड रेल का उद्घाटन हुआ तो यहां 40 हजार की अनुमानित संख्या थी। 2014 में जब रैली हुई थी तो 35 हजार की संख्या थी। लेकिन जब सतेन्द्र सिसौदिया अपने क्षेत्र में हैं और प्रधानमंत्री की रैली हो रही है तो ये डिजिट डबल थी। रैपिड रेलवे के उद्घाटन पर 35 हजार चेयर थीं लेकिन यहां जेवर रैली में 70 हजार चेयर थीं। सतेन्द्र सिसौदिया ने पूरी तरह से सिस्टम को फेयर रखा। उन्होंने संगठन क्षमता दिखाते हुए एक एक बात का केयर रखा। और फिर सबने देखा कि 70 हजार कुर्सियों पर कार्यकर्ताओं और क्षेत्र की जनता की बहार थी। इस रैली से सतेन्द्र सिसौदिया अपनी नेतृत्व क्षमता का एक मजबूत संदेश देने में कामयाब हुए हैं। कार्यर्ताओं की भीड़ और अनुशासित माहौल यहां से गया है। सतेन्द्र सिसौदिया को पार्टी रिपीट करती है या प्रदेश संगठन में उन्हें लिया जाता है ये आने वाले समय की बात है लेकिन मौजूदा समय में उन्होंने लास्ट ओवर में ताबड़तोड़ बैटिंग की है और दिखा दिया है कि क्षेत्रीय कप्तानी ऐसे होती है।

इसलिए नजर नहीं आये सतेन्द्र सिसौदिया मंच पर

करंट क्राइम। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंच पर पहुंचे तो क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया नहीं थे। जब प्रधानमंत्री नहीं आये थे तो सतेन्द्र सिसौदिया मंच पर थे और जायजा ले रहे थे। चर्चा शुरू हो गयी कि क्या क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया को मंच पर स्थान नहीं मिला। लेकिन पीछे की सच्चाई जब सामने आयी तो यहां संगठन और सरकार के बीच की जिम्मेदारी का पता चला। प्रधानमंत्री की जनसभा थी और यहां पर कुछ दायित्व संगठन के पास थे और कुछ व्यवस्थायें सरकारी मशीनरी से संभाली। बड़ा कार्यक्रम और इसका प्रोटोकॉल सरकारी सिस्टम से सेट होता है। लोगों ने ये भी देखा कि जब प्रदेश अध्यक्ष मंच पर आये तो व्यवस्था का जायजा लेने के लिए सतेन्द्र सिसौदिया भी आये। लेकिन जब प्रोटोकॉल की बारी आयी तो यहां सतेन्द्र सिसौदिया ने उसका पालन किया। उनके मंच पर ना होने वाली बात को लेकर एक लॉबी ने गलत नैरेटिव सेट कर दिया। चर्चा होने लगी कि आखिर सतेन्द्र सिसौदिया मंच पर क्यों नहीं है। उनको होना चाहिए था क्योंकि वो क्षेत्रीय अध्यक्ष हैं। जबकि प्रदेश अध्यक्ष मंच पर हैं। तब यहां इस बात का भी खुलासा हुआ और पता चला कि प्रदेश अध्यक्ष संवैधानिक दायित्व पर हैं, मंत्री हैं लेकिन सतेन्द्र सिसौदिया संगठन के पद पर हैं लेकिन सरकारी संवैधनिक दायित्व पर नहीं है। इसलिए वो मंच पर नहीं आये।

असीम अरुण प्रकरण : अनुशासनहीन, अफसरशाही या सिस्टम की कमजोरी ? : बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अरूण असीम जी उत्तर प्रदेश सरकार में माननीय मंत्री हैं, वे उत्तर प्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं। कानपुर के पुलिस कमिश्नर रहे हैं। एडिशनल डायरेक्टर जनरल पुलिस से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति से राजनीति में आए हैं। कन्नौज से विधायक हैं। इनके पिताश्री श्रीराम अरुण भी उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक रहे हैं। जब मैं मुख्यमंत्री से सम्बद्ध राज्य मंत्री था तब वे महानिदेशक थे। तब उनसे अक्सर सरकारी कार्यों के निष्पादन में व्यवहार होता था। वे भी एक अच्छे शिष्ट और संवेदनशील अधिकारी थे। इस लिए असीम अरुण जी का नौकरशाही के साथ वैसा कठोर व्यवहार नहीं होगा जैसा सामान्यतः राजनैतिक लोगों में होता है। उनके साथ उनके गृह जनपद के अधिकारियों का जो व्यवहार है, वह एकदम आपत्तिजनक है। मैंने वह पत्र भी सोशल मीडिया पर पढ़ा है जो उन्होंने इस घटना के बाद कन्नौज के जिलाधिकारी को लिखा है। माननीय मंत्री जी ने बड़ी शालीन भाषा में मात्र तथ्यों का उल्लेख कर समय से पहुंचने और भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो ऐसी अपेक्षा की है। एसडीएम से लेकर एडीएम और डीएम तक किसी का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में समय से न पहुंचाना कोई इत्तफाक नहीं है। प्रथमदृष्टया अधिकारियों की धृष्टता परिलक्षित हो रही है। अब ये माननीय मुख्यमंत्री जी पर निर्भर है कि वे अपने मंत्रिमंडल के एक सहयोगी के साथ अधिकारियों के इस अशिष्ट और अनुशासनहीन व्यवहार के लिए क्या कार्यवाही करते हैं। या फिर प्रदेश में नौकरशाही के बेलगाम होने की धारणा को पुष्ट होने देते हैं।

मैं असीम अरुण जी को इस बात के लिए साधुवाद देता हूं कि उन्होंने इस घटना को सार्वजनिक करके गंदगी को कार्पेट के नीचे डालने की प्रवृति से ऊपर उठकर उसे सार्वजनिक करके लोकतंत्र को शक्ति प्रदान करने का काम किया है। जन दबाव वह शस्त्र है जो बड़े से बड़े निरंकुश पर भी अंकुश लगाने का काम करता है। मैं स्वयं अपने मंत्री काल में अपने जनपद के कलेक्टर के व्यवहार से आहत हुआ था। बात उन दिनों की है जब उत्तर प्रदेश में भाजपा और बसपा के 6 माह के समझौते की सांझी सरकार थी और मायावती जी प्रदेश की माननीय मुख्य मंत्री थीं। मैं जब भी जिलाधिकारी के आवास पर फोन कराता मुझे एक ही उत्तर मिलता कि जिलाधिकारी बाहर हैं। कभी लौटकर भी फोन नहीं आता था।

मैंने पता कराया कि क्या सच में जिलाधिकारी बाहर हैं या जान पूछकर बात नहीं कर रहे हैं। तो पता चला कि वे घर पर रहते हुए ही ऐसा कहलवा देते हैं। मैंने असीम अरुण जी जैसा साहस नहीं दिखाया लेकिन मेरे एक मित्र विधायक ने विधान सभा में उक्त जिलाधिकारी के कार्यों को लेकर विधान सभा नियम 51 में विषय उठाया और विधान सभा अध्यक्ष जी ने उस पर सरकार से वक्तव्य देने का निर्देश दिया तो कलेक्टर साहब रात को 11 बजे मेरे घर पर एक सिफारिश लेकर आ गए। मैंने उन्हें कहा कि मैं कोई ऐसा काम नहीं करता जिसके लिए मुझे छुपकर रात के अंधेरे में स्पष्टीकरण देना पड़े। आप भी ऐसे आचरण से बचें। लोकतंत्र पुस्तकों में छपने और पढ़ने वाला कोई पाठ नहीं है। ये एक सुंदर शासन पद्धति है जिसमें किसी को अधिकारी और किसी को मंत्री बनने का अवसर मिलता है। ये एक सुंदर जीवन पद्धति है।

जिसमें हम अपनी एक वोट से अपने देश के शासन चलाने की व्यवस्था निर्धारित करते हैं। इसमें कोई राजा नहीं होता है। जो शासन से जुड़े हैं चाहे वे नौकरशाह हों या मंत्रीगण हों सभी लोक सेवक हैं। सभी के चारों ओर कानून ने लक्ष्मण रेखा खींची हुई है। जो इसे पार करेगा देर सवेर वह जलकर राख हो जाएगा।

मंत्री के साथ आपत्तिजनक व्यवहार

असीम अरुण के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में एसडीएम से लेकर डीएम तक का समय पर न पहुंचना सामान्य नहीं, बल्कि अधिकारियों की सामूहिक लापरवाही या धृष्टता को दर्शाता है।

शालीनता से उठाया गया मुद्दा

मंत्री द्वारा जिलाधिकारी को लिखे पत्र में केवल तथ्यात्मक और संयमित

भाषा का प्रयोग किया गया, जो उनकी प्रशासनिक पृष्ठभूमि और संतुलित व्यक्तित्व को दर्शाता है।

नौकरशाही के रवैये पर सवाल

घटना ने प्रदेश में नौकरशाही के बेलगाम होने की धारणा को बल दिया है, जिससे शासन-प्रशासन के संतुलन पर प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं।

मुख्यमंत्री की भूमिका निर्णायक

अब यह मुख्यमंत्री पर निर्भर है कि वे इस अनुशासनहीनता पर क्या कार्रवाई करते हैं और क्या संदेश देते हैं— कठोर नियंत्रण या मौन स्वीकृति।

लोकतंत्र की मूल भावना का स्मरण

लेख इस बात पर जोर देता है कि लोकतंत्र में मंत्री और अधिकारी दोनों ह्यलोक सेवकह्न हैं, जिन्हें कानून और मयार्दा की लक्ष्मण रेखा के भीतर रहकर कार्य करना चाहिए।

30 Mar -26 page 2 29-03-2026 9:46 PM Page 1

'कांग्रेस और लेफ्ट जहां भी सत्ता में आते हैं, सब कुछ बर्बाद कर देते हैं', केरल में बोले पीएम मोदी

पलक्कड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए पलक्कड चुनाव प्रचार किया। इस दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस और वाम दलों पर आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य को आर्थिक संकट में धकेल दिया। उन्होंने कहा कि देश गवाह है कि जहां भी कांग्रेस और वामपंथियों का शासन रहा वहां विकास की जगह बर्बादी आई।

कांग्रेस और वामदलों ने क्या किया, यह पूरे देश ने देखा

पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस और वामपंथियों का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है कि जहां भी वे सत्ता में आते हैं, वे सब कुछ बर्बाद कर देते हैं। पूरा देश जानता है कि वामपंथियों ने बंगाल और त्रिपुरा में क्या किया; सबने यह भी देखा है कि कांग्रेस ने पूरे देश में क्या किया। केरल भी उनकी इन्हीं नापाक योजनाओं की चपेट में आकर पिस गया है। यहां से सरकारी कर्मचारियों के वेतन भुगतान में देरी की खबरें आती रहती हैं। हाल ही में, केरल में सरकारी कर्मचारियों के डीए और लीव एनकैशमेंट के बकाया भुगतानों को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। कांग्रेस इन सब बातों के लिए वामपंथियों पर हमला करती है, लेकिन जहां कांग्रेस खुद सत्ता में है, वहां भी हालात खराब ही हैं। जरा पड़ोसी राज्य कर्नाटक को ही देख लीजिए; वहां भी ज्यादातर विकास कार्य ठप पड़े हैं। हिमाचल प्रदेश भी आर्थिक संकट से जूझ रहा है। यही है कांग्रेस का शासन मॉडल।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का भारत पर कम से कम प्रभाव पड़े। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर राजनीतिक फायदे के लिए भारतीयों के जीवन को खतरे में डालने वाली खतरनाक टिप्पणियों करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केरल के कई लोग संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में काम कर रहे हैं और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, "इस समय सभी का ध्यान पश्चिम एशिया में जारी युद्ध पर केंद्रित है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है कि भारत पर इसका कम से कम प्रभाव पड़े।"

पश्चिम एशिया में शांति के लिए जारी राजनयिक प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए मोदी ने कहा, "युद्ध की शुरुआत से ही मैं इन सभी देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ लगातार संपर्क में हूं। सभी राष्ट्र संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं।" उन्होंने कहा कि विदेशों में भारतीय दूतावास अपने नागरिकों की सहायता के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। मोदी ने कहा, "वहां हमारे भाइयों और बहनों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय दूतावास भी दिन-रात काम कर रहे हैं। भाजपा-राजग सरकार के लिए भारतीयों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।"

गुजरात में दलित-आदिवासियों पर बढ़ते अत्याचार का आरोप, राहुल गांधी ने उठाया ऊना कांड का मुद्दा

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुजरात में दलित और आदिवासी समुदायों के खिलाफ कथित रूप से बढ़ते अत्याचारों को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सामाजिक न्याय की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है और नफरत, भेदभाव तथा हिंसा का माहौल लगातार गहराता नजर आ रहा है। उनके इस बयान को राजनीतिक और सामाजिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद बयान

हाल ही में राहुल गांधी ने गुजरात से आए दलित और आदिवासी समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कई पीड़ित परिवारों की आपबीती सुनी और उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि कुछ मामलों में पीड़ितों को इतनी बेरहमी से पीटा गया कि उनके शरीर में कई जगह फ्रैक्चर हो गए। वहीं, एक अन्य मामले में एक व्यक्ति को कथित रूप से जिंदा जला दिया गया, जो अत्यंत भयावह और अमानवीय घटना है। राहुल गांधी ने कहा कि इन घटनाओं ने उन्हें गहराई से विचलित किया है और यह दर्शाता है कि कमजोर वर्गों की सुरक्षा को लेकर अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं।

ऊना कांड का फिर उठाया मुद्दा

राहुल गांधी ने वर्ष 2016 में हुए ऊना कांड का जिक्र करते हुए कहा कि यह घटना पूरे देश को झकझोर देने वाली थी। इस मामले में चार दलित युवकों को कथित तौर पर गौहत्या के आरोप में सार्वजनिक रूप से बेरहमी से पीटा गया था, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। उन्होंने कहा कि लगभग एक दशक बीत जाने के बावजूद पीड़ितों को अब तक पूर्ण न्याय नहीं मिल सका है, जो न्याय व्यवस्था और प्रशासनिक इच्छाशक्ति पर गंभीर सवाल खड़े करता है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि इस तरह की घटनाएं केवल एक समय विशेष की समस्या नहीं हैं, बल्कि यह एक व्यापक सामाजिक चुनौती का संकेत देती हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि ये घटनाएं केवल अलग-अलग अपराध नहीं हैं, बल्कि एक ऐसे व्यापक माहौल की तस्वीर पेश करती हैं जहां डर, असुरक्षा और अन्याय का बोलबाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए आवाज उठाते हैं, उन्हें धमकियों, हिंसा और यहां तक कि हत्या के जरिए चुप कराने की कोशिश की जाती है।

उन्होंने यह भी कहा कि समाज के वंचित वर्गों के खिलाफ इस तरह की घटनाएं लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना के खिलाफ हैं।

न्याय मिलने तक जारी रहेगा संघर्ष

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित गुजरात में दलितों और आदिवासियों के खिलाफ अत्याचार के मामलों में वृद्धि हुई है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस तरह का मॉडल धीरे-धीरे देश के अन्य हिस्सों में भी फैलाया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरा बन सकता है।

असम में घुसपैठ पर गृहमंत्री अमित शाह का सख्त रुख

बोले- हर अवैध प्रवासी को वापस भेजना होगा

- भाजपा सरकार ने असम में घुसपैठ रोकी है, लेकिन यह तब तक पूरा नहीं होगा जब तक हर अवैध अप्रवासी को वापस नहीं भेजा जाता।

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम में घुसपैठ के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि भाजपा सरकार ने पिछले दस वर्षों में असम में घुसपैठ को रोका है, लेकिन यह काफी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रत्येक अवैध अप्रवासी को उनके देश वापस भेजा जाना चाहिए।

सोनितपुर जिले की ढेकियाजुली विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कई राज्यों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि यह विरोध घुसपैठियों को बचाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी और उनकी पार्टी एसआईआर का विरोध करके घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं।

असम को घुसपैठिया-मुक्त बनाने का संकल्प

शाह ने लोगों से आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को वोट देने की अपील की ताकि हिमंत बिस्वा सरमा एक बार फिर मुख्यमंत्री बनें और असम को घुसपैठिया-मुक्त बनाया जा सके, जिससे राज्य में शांति और विकास सुनिश्चित हो। उन्होंने दोहराया कि भाजपा सरकार ने असम में घुसपैठ रोकी है, लेकिन यह तब तक पूरा नहीं होगा जब तक हर अवैध अप्रवासी को वापस नहीं भेजा जाता।

कांग्रेस के शासनकाल पर सवाल

अमित शाह ने यह भी कहा कि असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं और उनसे इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में देश की सुरक्षा को गंभीरता से नहीं लिया और पाकिस्तान से आए आतंकवादियों को देश में लोगों की हत्या के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवादियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है।

असम में तीसरी बार बनने जा रही भाजपा सरकार

केंद्रीय गृह मंत्री ने रैली को संबोधित करते हुए कहा, मैं आप सभी से तहे दिल से माफी मांगता हूं क्योंकि खराब मौसम के कारण मेरा हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका और मुझे लगभग दो घंटे की देरी हो गई। रास्ते में मैं अशोक जी से बार-बार पूछता रहा कि क्या सभा अभी भी वैसी ही है। मुझे बताया गया कि एक भी कुर्सी खाली नहीं थी और लोग सड़कों के किनारे तक बैठे हुए थे। आज की सभा इस बात का सबूत है कि भाजपा असम में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है।

दादरी में सपा की भीड़ ने बदले सियासी संकेत, भाजपा के गढ़ में 'मौन चुनौती' की आहट

दादरी (गौतमबुद्धनगर) करंट क्राइम। भाजपा के मजबूत गढ़ के रूप में पहचाने जाने वाले दादरी में समाजवादी पार्टी की समानता भाईचारा रैली में उम्मीद से अधिक उमड़ी भीड़ ने क्षेत्रीय सियासत में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। यह वही दादरी है जहां भाजपा प्रत्याशी को प्रदेश में साहिबाबाद के बाद सबसे अधिक मतों से जीत मिली थी, ऐसे में यहां सपा के बैनर तले बड़ी संख्या में लोगों का जुटना सामान्य राजनीतिक गतिविधि नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक और राजनीतिक संकेतों के रूप में देखा जा रहा है।

रैली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मौजूदगी ने इसे रणनीतिक महत्व दे दिया। खास बात यह रही कि उनका पूरा भाषण टकराव की राजनीति से अलग हटकर ह्लकाम और वादेह्व की राजनीति पर केंद्रित रहा—जो यह दशार्ता है कि सपा अब खुद को केवल विरोधी दल नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक शासन मॉडल के रूप में स्थापित करने की कोशिश में है।

दादरी की इस रैली को अगर गहराई से देखा जाए तो यह केवल भीड़ का प्रदर्शन नहीं, बल्कि तीन स्तरों पर चल रही राजनीतिक रणनीति का

हिस्सा नजर आती है। पहला, सामाजिक समीकरणों का पुनर्गठन—पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फामूर्ले के जरिए सपा उन वर्गों को एक मंच पर लाने की कोशिश कर रही है, जो पिछले चुनावों में बिखरे हुए थे। दादरी जैसी सीट, जहां जातीय संतुलन बेहद अहम भूमिका निभाता है, वहां यह प्रयोग भविष्य के लिए जमीन तैयार करने जैसा है।

दूसरा, किसान और जमीन का मुद्दा—पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लंबे समय से भूमि अधिग्रहण, मुआवजा और औद्योगिक विस्तार को लेकर असंतोष रहा है। अखिलेश यादव द्वारा 64.7% मुआवजा वृद्धि, बाजार दर पर अधिग्रहण और 4% अतिरिक्त भूखंड जैसे मुद्दों को मंच से उठाना सीधे उस वर्ग को संबोधित करना है, जो चुनावी परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। यह केवल घोषणा नहीं, बल्कि एक सोची-समझी राजनीतिक पोजिशनिंग है।

तीसरा, स्थानीय बनाम राष्ट्रीय नैरेटिव—रैली में राष्ट्रीय मुद्दों की अपेक्षा स्थानीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर ज्यादा जोर दिया गया। औद्योगिक क्षेत्र घोषित गांवों में पंचायत चुनाव का विकल्प उठाना और गुर्जर समाज के प्रतीकों—मिहिर भोज, धन सिंह कोतवाल, विजय सिंह पथिक—को केंद्र में लाना इस बात का संकेत है कि सपा अब ह्लोकल माइक्रो-पॉलिटिक्सह्व पर फोकस कर रही है, जो पश्चिम यूपी की राजनीति में निर्णायक मानी जाती है।

हालांकि, इस रणनीति के भीतर कुछ सीमाएं भी साफ नजर आती हैं। गुर्जर समाज को साधने की कोशिश के बावजूद मिहिर भोज डिग्री कॉलेज को यूनिवर्सिटी बनाने जैसे स्थानीय मुद्दे का जिक्र न होना यह दशार्ता है कि संदेश और अपेक्षाओं के बीच अभी अंतर बना हुआ है। इसी तरह, रैली में किसी बड़े चेहरे का सपा में शामिल न होना यह भी संकेत देता है कि संगठनात्मक विस्तार अभी शुरूआती चरण में है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक अहम पहलू स्थानीय राजनीति भी है। दादरी में इस रैली को राजकुमार भाटी के बढ़ते प्रभाव से जोड़कर देखा जा रहा है। बड़ी भीड़ और व्यवस्थित आयोजन ने उनके संगठनात्मक नेटवर्क को मजबूत दिखाया है, जिससे आने वाले समय में उनके कद में और वृद्धि की संभावना जताई जा रही है।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह भीड़ वोट में तब्दील हो पाएगी? राजनीतिक इतिहास बताता है कि रैली की भीड़ और चुनावी नतीजों के बीच सीधा संबंध हमेशा नहीं होता, लेकिन यह भी सच है कि ऐसी रैलियां ह्लमाहौलह्व बनाती हैं—और दादरी की यह रैली वही माहौल बनाती नजर आ रही है।

अदालत ने हत्या की कोशिश के आरोपी को दी जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि किसी आरोपी को बिना मुकदमे की सुनवाई शुरू हुए लंबे समय तक जेल में रखना, सजा देने जैसा है। इसी अहम टिप्पणी के साथ अदालत ने पंजाब के एक आरोपी को जमानत दे दी, जो हत्या की कोशिश के मामले में करीब दो साल से जेल में बंद था। अदालत ने माना कि जब ट्रायल शुरू ही नहीं हुआ और जल्द खत्म होने के भी आसार नहीं हैं, तब आरोपी को लगातार जेल में रखना ठीक नहीं है। अदालत ने यह फैसला प्रदीप कुमार उर्फ बानू की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि फरवरी 2024 में उसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। उस पर हत्या की कोशिश समेत कई आरोप लगाए गए। लेकिन हैरानी की बात यह है कि अब तक इस मामले में अभियोजन पक्ष 23 गवाहों में से एक भी गवाह को अदालत में पेश नहीं कर पाया है।

एलपीजी संकट का असर: मुंबई में चोरी हो गए 27 गैस सिलेंडर, पुलिस ने शुरू की जांच

मुंबई। मुंबई के कांदिवली (पश्चिम) इलाके में एक डिलीवरी टेंपो से 27 एलपीजी सिलेंडर चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस घटना की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। यह चोरी चारकोप इलाके में हुई है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की वजह से गैस सप्लाई को लेकर पहले से ही चिंता बनी हुई है, ऐसे में यह वारदात हर तरफ चर्चा का विषय बन गई है।

डिलीवरी मैन ने दर्ज कराई शिकायत

डिलीवरी मैन नंदकुमार रामराज सोनी ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में उन्होंने बताया कि 25 मार्च को उन्होंने अपने घर के पास काका केनी चौक पर एलपीजी सिलेंडरों से भरा अपना टेंपो खड़ा किया था। जब सोनी 26 मार्च को वापस आए, तो उन्होंने देखा कि टेंपो की खिड़की का कांच टूटा हुआ था और पीछे का ताला भी टूटा हुआ था।

27 रसोई गैस सिलेंडर चोरी

पुलिस अधिकारी ने शनिवार को एफआईआर के हवाले से बताया कि वाहन से कुल 27 गैस सिलेंडर लदे हुए थे जो कि चोरी हो गए हैं। इनमें से पांच सिलेंडर भरे हुए थे और 22 खाली थे। चोरों ने बड़ी चालाकी से इस वारदात को अंजाम दिया।

जांच में जुटी पुलिस

पुलिस ने आरोपियों का पता लगाने के लिए कई टीमें बनाई हैं। इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई है, जिसमें कुछ संदिग्ध और गाड़ियां दिखाई दी हैं। पुलिस अब उनकी पहचान करने की कोशिश कर रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच की जा रही है।

बंगाल सरकार ने डीए भुगतान आदेश में किया संशोधन, एक बार में ही मिलेगा करीब 48 माह का भत्ता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा में अब एक महीने से भी कम का समय शेष रह गया है। ऐसे में राज्यभर में कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की महंगाई भत्ता (डीए) को लेकर तेज हो रही राजनीति के बीच बंगाल सरकार ने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने फैसला किया है कि बकाया महंगाई भत्ता (डीए) अब एक ही बार में दिया जाएगा, जबकि पहले इसे दो किस्तों में देने की बात कही गई थी। एक अधिकारी के अनुसार, यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के बाद लिया गया है, जो फरवरी में आया था।

कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह कर्मचारियों का बकाया डीए जल्द से जल्द चुका दे। इसके बाद सरकार ने पहले 13 मार्च को आदेश जारी कर कहा था कि भुगतान मार्च से शुरू होगा और दो हिस्सों में दिया जाएगा। लेकिन अब उस फैसले में बदलाव करते हुए

सरकार ने तय किया है कि पूरा पैसा एक साथ दिया जाएगा।

कब और कितना बकाया डीए जारी होगा?

सरकार अब जनवरी 2016 से दिसंबर 2019 तक का पूरा बकाया डीए 31 मार्च तक जारी करेगी। इसका फायदा वर्तमान कर्मचारियों, पेंशनधारकों और परिवार पेंशन पाने वालों सभी को मिलेगा। इस फैसले से लाखों लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है, जो लंबे समय से अपने बकाया भत्ते का इंतजार कर रहे थे।

'55 लाख से ज्यादा सिलिंडर हुए वितरित', केंद्र सरकार बोली- एलपीजी आपूर्ति सामान्य

नई दिल्ली। पेट्रोलियम मंत्रालय ने रविवार को स्पष्ट किया है कि देश में घरेलू एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति सामान्य है। शनिवार को 55 लाख से अधिक एलपीजी सिलिंडर वितरित किए गए। इसके साथ ही 64,000 पांच किलोग्राम के फ्री-ट्रेड सिलिंडरों की बिक्री भी हुई। मंत्रालय के अनुसार, किसी भी एलपीजी वितरक पर स्टॉक खत्म होने (ड्राई-आउट) की कोई रिपोर्ट नहीं है।

उद्योग स्तर पर एलपीजी सिलेंडरों की ऑनलाइन बुकिंग 94 प्रतिशत तक बढ़ गई है। वितरकों के स्तर पर किसी भी तरह के विचलन को रोकने के लिए, डिलीवरी प्रमाणीकरण कोड (डीएसी) आधारित डिलीवरी का प्रतिशत फरवरी में 53 प्रतिशत से बढ़कर 84 प्रतिशत हो गया है।

सरकार की ओर से बताया गया है कि सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल के पर्याप्त भंडार मौजूद हैं। देश में पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त स्टॉक बना हुआ है। घरेलू खपत का समर्थन करने के लिए रिफाइनरियों से घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाया गया है। देश भर में सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से काम कर रहे हैं।

सरकार ने उपभोक्ताओं से एलपीजी बुकिंग ऑनलाइन करने और एलपीजी वितरकों के पास जाने से बचने का आग्रह किया है। नागरिकों से वैकल्पिक ईंधनों जैसे पीएनजी और इंडक्शन/इलेक्ट्रिक कुकटॉप का उपयोग करने का भी अनुरोध किया गया है। सरकार ने कहा कि सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे अपने दैनिक उपयोग में ऊर्जा संरक्षण के लिए आवश्यक प्रयास करें।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सचिव नीरज मित्तल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कल तक लगभग 6000 पीएनजी उपभोक्ताओं ने अपना एलपीजी कनेक्शन छोड़ दिया। उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद! आप भी उन नेक नागरिकों के इस मजबूत और साहसी समूह में शामिल हों, जिन्होंने बिना पीएनजी वाले लोगों को एलपीजी दिलाने में मदद करने के लिए एलपीजी कनेक्शन का उपयोग बंद कर दिया है।

तेलंगाना विधानसभा में हंगामा: बीआरएस के 24 विधायक दो दिनों के लिए निलंबित

तेलंगाना। तेलंगाना विधानसभा में सोमवार को भारी सियासी ड्रामा देखने को मिला। सदन की कार्यवाही में लगातार बाधा डालने और हंगामा करने के आरोप में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 24 विधायकों को दो दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। इस निलंबन के बाद विपक्षी दल ने सरकार पर लोकतंत्र का गला घोंटने का आरोप लगाया है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, पूरे विवाद की जड़ सूबे के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी पर लगे कथित भ्रष्टाचार और अवैध खनन के आरोप हैं। सोमवार को सदन की कार्यवाही शुरू हुई। मुख्य विपक्षी दल बीआरएस के विधायक इस मुद्दे को लेकर आक्रामक हो गए। विपक्षी सदस्यों ने मांग की कि इन आरोपों की जांच के लिए 'हाउस कमेटी' बनाई जाए। विपक्षी दल ने इस मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव लाने की भी कोशिश की। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने इसे सिरे से खारिज कर दिया।

प्रस्ताव नामंजूर किए जाने के बाद विपक्षी विधायक भड़क गए। वे नारेबाजी करते हुए सीधे सदन के बीचों-बीच यानी वेल में आ गए। इस हंगामे की वजह से सदन की कार्यवाही पूरी तरह ठप हो गई।

कांग्रेस सरकार ने हाउस कमेटी बनाने से किया इनकार

दूसरी तरफ, सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार ने विपक्ष की हाउस कमेटी बनाने की मांग को साफ तौर पर ठुकरा दिया। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने दलील दी कि राज्य में 2014 से हो रहे अवैध खनन की जांच के लिए सरकार पहले ही सीबी-सीआईडी जांच के आदेश दे चुकी है, इसलिए अलग से किसी हाउस कमेटी की कोई जरूरत नहीं है।

बजट सत्र के दौरान सदन में खूब बवाल हुआ। दोनों तरफ से तीखी नोकझोंक हुई। इस बीच बीआरएस विधायक कौशिक रेड्डी ने कादियम श्रीहरि पर कुछ टिप्पणी कर दी, और इसी ने आग में घी डालने का काम किया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने विपक्षी विधायकों पर लगाया आरोप

विपक्ष के तेवरों को देखते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बीआरएस पर जानबूझकर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने विपक्षी विधायकों को सस्पेंड करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बीआरएस केवल हाउस कमेटी के बहाने अपने कुछ सदस्यों के जरिए मंत्री को ब्लैकमेल करना चाहती है। मुख्यमंत्री ने साफ-साफ कहा कि अगर विपक्ष के पास कोई सबूत है, तो वे उसे सीबी-सीआईडी के सामने पेश करें।

31 मार्च को समाप्त हो रहा है तेलंगाना का बजट सत्र

स्पीकर ने भी विधायकों से कई बार अपील की। जब वे नहीं माने तो स्पीकर ने हंगामा करने वाले सभी विधायकों को सदन के बाहर का रास्ता दिखा दिया। निलंबित होने वाले विधायकों की लिस्ट में बीआरएस नेता टी हरीश राव, केटी रामा राव, श्रीनिवास यादव, जगदीश रेड्डी और गंगुला कमलाकर शामिल हैं। तेलंगाना का बजट सत्र 31 मार्च को समाप्त हो रहा है। निलंबन के बाद बीआरएस विधायकों ने विधानसभा परिसर में ही धरने पर बैठकर विरोध दर्ज किया।

नक्सलवाद पर आखिरी प्रहार के लिए निकले 50 हजार जवान; देश के इन राज्यों में छिपे हैं करीब 150 नक्सली

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा देशभर में नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के लिए तय की गई समयसीमा अब बेहद करीब आ चुकी है। 31 मार्च तक नक्सल मुक्त भारत बनाने का लक्ष्य रखा गया है और इस डेडलाइन में अब महज तीन दिन ही शेष हैं। सरकार और सुरक्षा एजेंसियां इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अंतिम चरण के ऑपरेशनों में जुटी हुई हैं।

पिछले कुछ महीनों में सुरक्षा बलों को नक्सल विरोधी अभियानों में बड़ी सफलता मिली है। कई शीर्ष नक्सली नेताओं को या तो मार गिराया गया है या उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया है। इसके चलते नक्सल संगठन की संरचना कमजोर हुई है और उनकी गतिविधियों में भी काफी कमी आई है। अधिकारियों का मानना है कि यह नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक दौर साबित हो सकता है।

चार राज्यों में छिपे हैं करीब 150 नक्सली

सूत्रों के अनुसार, फिलहाल लगभग 100 से 150 नक्सली देश के चार प्रमुख राज्यों—छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और तेलंगाना—के घने जंगलों और सीमावर्ती इलाकों में छिपे हुए हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इन इलाकों की पहचान कर ली है और अब अंतिम कार्रवाई की तैयारी चल रही है। अगले 48 घंटों में बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन चलाए जाने की योजना है, जिसमें विभिन्न सुरक्षा बलों के करीब 50 हजार जवान शामिल होंगे। इनमें कोबरा कमांडो, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), राज्य पुलिस और अन्य अर्धसैनिक बल शामिल हैं। केंद्रीय सुरक्षा बलों के अधिकारियों को उम्मीद है कि लगातार दबाव और घेराबंदी के चलते बचे हुए नक्सली आत्मसमर्पण के लिए आगे आ सकते हैं।

कमांडो बटालियन फॉर रिजोल्यूट एक्शन ने नक्सल विरोधी अभियानों में अहम भूमिका निभाई है। इन कमांडो को विशेष रूप से जंगल युद्ध (जंगल वारफेयर) के लिए प्रशिक्षित किया गया है। कोबरा बटालियन का गठन भी इसी तर्ज पर किया गया था ताकि वे कठिन और दुर्गम इलाकों में लंबे समय तक बिना बाहरी सहायता के ऑपरेशन चला सकें। बताया जाता है कि ये कमांडो लगातार कई दिनों तक जंगल में रहकर ऑपरेशन करने में सक्षम हैं।

कोबरा कमांडो पहली बार वर्ष 2015 में गणतंत्र दिवस परेड के दौरान देश के सामने प्रस्तुत किए गए थे, जिसके बाद से उन्होंने कई सफल अभियानों में भाग लिया है।

सूत्रों का कहना है कि छत्तीसगढ़, तेलंगाना, झारखंड और ओडिशा सहित कई राज्यों में अभी भी नक्सलियों की सीमित गतिविधियां बनी हुई हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि अब ये नक्सली बड़े हमलों को अंजाम देने की स्थिति में नहीं हैं। फिर भी वे इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस जैसे हथियारों का इस्तेमाल कर सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। सोमवार 30 मार्च -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

करंट क्राइम ट्वीट का करंट
Sanjay Tyagi
28m ·
जो आपको नहीं समझते उन्हे समझाने में अपना समय व्यर्थ न कीजिए समुद्र का पानी खारा है उसमें शक्कर मिलाने का कोई फायदा नहीं होता वह फिर भी खारा ही रहेगा

गाजियाबाद में मतदाता पुनरीक्षण तेज, 7.31 लाख नोटिस निस्तारित

मतदाता सूची अंतिम चरण में

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आगामी चुनावों की तैयारियों के बीच जनपद गाजियाबाद में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को प्रशासन ने पूरी गंभीरता और सघनता के साथ आगे बढ़ाया है। बीते कुछ हफ्तों से चल रही इस व्यापक प्रक्रिया के तहत न केवल बड़ी संख्या में मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए, बल्कि उनके सत्यापन और सुनवाई की कार्यवाही भी तेज गति से पूरी की गई है।

मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा यह अभियान अब अपने अंतिम चरण में पहुंचता दिखाई दे रहा है। प्रशासनिक स्तर पर इसे मिशन मोड में संचालित किया गया, जिसमें जमीनी स्तर तक अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई।

'नोटिस एवं हियरिंग रिपोर्ट' के अनुसार कुल 7,30,737 नोटिस जारी किए जाने थे, जिनके सापेक्ष 7,31,008 नोटिस जनरेट कर समयबद्ध तरीके से वितरित भी कर दिए गए हैं। इतने बड़े पैमाने पर नोटिस जारी करने और उनका निस्तारण करने की यह प्रक्रिया अपने आप में प्रशासनिक सक्रियता और तैयारियों का स्पष्ट संकेत मानी जा रही है।

समयबद्ध हियरिंगः सभी मामलों का निस्तारण

पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत सबसे अहम चरण–हियरिंग–को पूरी तरह से समय पर संपन्न कर लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक सभी 7,31,008 मामलों में सुनवाई पूरी हो चुकी है और एक भी मामला लंबित नहीं है। न ही नोटिस डिलीवरी में कोई देरी दर्ज हुई है और न ही हियरिंग के लिए किसी मामले को पुनर्निर्धारित करना पड़ा। यह स्थिति दर्शाती है कि प्रशासन ने इस अभियान को मिशन मोड में संचालित किया और जमीनी स्तर तक निगरानी रखी।

Notice & Hearing Report

S. No.	AC No.- AC Name	Total Notices to be generated	Notice Generated	Pending for Notice Generation	Notice Delivered	Notices pending delivery	Hearing			DEO Status				ERO/AERO Status		
							Hearing Held	Hearing Date Lapsed	Reschedule Date Lapsed	Total Pending	Pending 5 days	Verified	Not Verified	Found Ineligible for Final	Parked for Final Publication w.r.t. Notice Generated	Parked For Final Publication w.r.t. Others
1.	53-Loni	142980	142981	0	142981	0	142981	0	0	0	0	87265	89	232	142751	250283
2.	54 Muradnagar	151184	151654	0	151654	0	151654	0	0	0	0	106886	8	457	151198	199288
3.	55-Sahibabad	210106	209916	0	209916	0	209916	0	0	0	0	129601	69	322	209597	432977
4.	56-Ghaziabad	147751	147746	0	147746	0	147746	0	0	0	0	78489	28	400	147346	201819
5.	57-Modi Nagar	78716	78711	0	78711	0	78711	0	0	0	0	49769	2	140	78574	204265
	Total	730737	731008	0	731008	0	731008	0	0	0	0	452010	196	1551	729466	1288632

सत्यापन और निष्पक्षता पर जोर

डीईओ (जिला निर्वाचन अधिकारी) स्टेटस के अनुसार अब तक 4,52,010 मामलों का सत्यापन किया जा चुका है, जो कुल प्रक्रिया का बड़ा हिस्सा है। साथ ही 196 मामले ऐसे हैं जो पांच दिनों से अधिक समय से लंबित हैं, जिन पर शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि 1,551 प्रविष्टियों को अंतिम सूची के लिए अयोग्य घोषित किया गया है, जो यह संकेत देता है कि सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने के लिए सख्ती से जांच की गई।

अंतिम प्रकाशन की ओर बढ़ते कदम

रिपोर्ट के अनुसार 7,29,466 मामलों को अंतिम प्रकाशन के लिए तैयार (पार्क) कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य श्रेणियों को मिलाकर कुल 12,88,632 प्रविष्टियां अंतिम सूची में शामिल किए जाने की प्रक्रिया में हैं। यह आंकड़ा बताता है कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन अब ज्यादा दूर नहीं है और पूरी प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है।

विधानसभावार स्थिति

लोनी (53) : 1,42,981 नोटिस जारी, 87,265 सत्यापित, 232 अयोग्य
मुरादनगर (54) : 1,51,654 नोटिस जारी, 1,06,886 सत्यापित, 457 अयोग्य
साहिबाबाद (55) : 2,09,916 नोटिस जारी, 1,29,601 सत्यापित, 322 अयोग्य
गाजियाबाद (56) : 1,47,746 नोटिस जारी, 78,489 सत्यापित, 400 अयोग्य
मोदीनगर (57) : 78,711 नोटिस जारी, 49,769 सत्यापित, 140 अयोग्य

VOTE

चुनावी तैयारियों का स्पष्ट संकेत

इतनी बड़ी संख्या में नोटिस जारी कर उनका समयबद्ध निस्तारण प्रशासन की सक्रियता को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पूरी कवायद आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हाउस टैक्स विवाद पर बना समाधान का रास्ता
निगम-व्यापारी वार्ता के बाद धरना समाप्त

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर में पिछले कुछ समय से हाउस टैक्स को लेकर चल रहे विवाद और नगर निगम की सख्ती के विरोध में व्यापारियों द्वारा किया जा रहा धरना सोमवार को समाप्त हो गया। बढ़ते असंतोष के बीच नगर निगम ने पहल करते हुए वार्ता का रास्ता अपनाया। अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार ने मौके पर पहुंचकर व्यापारियों से विस्तृत संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं।

निगम की ओर से आश्वासन दिया गया कि हाउस टैक्स के मुद्दे पर शासन स्तर पर लगातार बातचीत जारी है और जल्द ही कोई ठोस निर्णय सामने आएगा। इस भरोसे के बाद व्यापारियों ने फिलहाल आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया।

सख्ती पर रोक, राहत का भरोसा

अपर नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि शासन के अंतिम निर्णय तक किसी भी करदाता के खिलाफ कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जाएगी। इससे व्यापारियों और आम करदाताओं को तत्काल राहत मिलने की उम्मीद है।

व्यापारियों की मांग और सहमति

करंट क्राइम। वार्ता के दौरान व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों ने हाउस टैक्स वसूली में की जा रही सख्ती पर नाराजगी जताई और इसे रोकने की मांग रखी। इस पर वरिष्ठ प्रभारी टैक्स एवं मुख्य कर निर्धारण अधिकारी एस.के. राय ने भी भरोसा दिलाया कि अंतिम निर्णय आने तक बकायेदारों पर सख्ती नहीं होगी। इसके बाद व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष रामकिशोर अग्रवाल ने धरना समाप्त करने की घोषणा की।

कुछ इस तरह से निकाला भाजपा महानगर अध्यक्ष ने निचोड़
तीन उदाहरण देकर कर दिया पूरी बात का ही तोड़

गाजियाबाद, करंट क्राइम। संगठन की कप्तानी भी एक चेलेंजिंग काम है। ये परम सत्य है कि सबको समाोजित नहीं किया जा सकता। सबको खुश नहीं किया जा सकता। लेकिन एक कप्तान के रूप में ये दायित्व होता है कि सबके लिए प्रयास किये जाते हैं। एक संघर्ष होता है और एक कप्तान के रूप में ये कठिन टास्क भी होता है। मौजूदा भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल भाजपा के कल्चर में पूरी तरह से रचे बसे हैं। संघ की बात करें तो वो बाल स्वयं सेवक हैं और संगठन की बात करें तो देवतुल्य से लेकर महानगर अध्यक्ष होने तक का सफर कई पड़ाव से गुजरा है। वो महानगर की टीम में रहे हैं, वो क्षेत्र की टीम में रहे हैं। सोशल मीडिया से लेकर कार्यक्रम मैनेजमेंट में उनको विषद अनुभव है, पार्टी के लिए काम किया है। अब जब वो कप्तान वाली भूमिका में है तो नई टीम की घोषणा के बाद उन्होंने किसी बात का पूरा निचोड़ रखा। नई टीम घोषित हुई तो सभी की नजर थी और यहां पर आरोपों की झड़ी भी लगी। हालाकि ये कोई नयी बात नहीं है और ये

आलोचनात्मक परम्परा चली आयी है। जो टीम में आ जाते हैं वो आभार व्यक्त करते हैं और जो नहीं आते हैं उन्हे लगता है कि उनके साथ अत्याचार हो गया है। हालाकि इस बार टीम का संतुलन ऐसा है कि आरोप कम से कम लगे हैं। ये तो चर्चा बाहर आ रही है कि इस कमेटी में हमारी अनदेखी हो गयी, लेकिन अभी फिलहाल यहां तर्कों से बात संभल रही है। क्योंकि अनदेखी वाली कहानी पिछली कमेटियों में भी रही है। ये क्यों नाराज हैं और क्या वजह है इसे लेकर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने तीन बातें बताईं, उनका निचोड़ रखा और अपने तर्कों के साथ उन्होंने पूरी बात को खत्म किया।

महानगर अध्यक्ष ने तीन उदाहरण दिये और कहा कि पहली बात ये है कि एक कार्यकर्ता की श्रेणी वो होती है जिसे अगर पद नहीं मिला तो वो नाराज होकर घर बैठ गया। उसने पद की नाराजगी को इतना दिल पर ले लिया कि दल के काम करने ही छोड़ दिये। उन्होंने कहा कि दूसरी श्रेणी उन कार्यकर्ताओं की है जिन्होंने पद ना मिलने पर बेहद आक्रामक रवैया अपनाया।

अभिव्यक्ति के माध्यम सोशल मीडिया पर आ गये और फिर सारे प्रोटोकॉल बैरियर को तोड़ते हुए अपने मन के गुबार को निकाला। किसी ने शायरी के अंदाज में बात बताई तो किसी ने सीधे सीधे अपना गिला बताया। और अनदेखी की सुलगती आग को शोले बनाकर शब्दों में डाल दिया। उनके साथ एक कैटेगिरी वो भी होती है जो कमेंट बार में पूरा सहयोग करती है। एक कार्यकर्ता फेसबुक पर यदि कुछ लिख रहा है तो वो कमेंट में आकर उसकी बात का समर्थन कर रहे हैं। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि तीसरी श्रेणी उन कार्यकर्ताओं की है जो टीम में नहीं आये। जिन्हें कोई सरकारी कृपा नहीं मिली, लेकिन वो उसके बाद भी पार्टी कार्यालय आते हैं। वो संगठन को ये बताते हैं कि हम पार्टी के कार्यकर्ता हैं और जब भी हमारी कोई आवश्यकता संगठन को होगी तो हम हमेशा मौजूद रहेंगे। हम पार्टी के कार्यकर्ता हैं और पार्टी के लिए काम करते हैं। इन तीन बातों का सार बताने के बाद महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि हम सब कार्यकर्ता हैं और पार्टी के लिए हमेशा उपस्थित रहना चाहिए।

आप साइलेंट हो या वाइलेंट पार्टी रखती है नजर

करंट क्राइम। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल की एक खूबी है कि भाजपा के भीतर वो संघ की नर्सरी से आये हैं और कार्यकर्ता के रूप में शुरूआत की है। संघ संस्कार उनके व्यक्तिव में समाहित हैं और भाजपा संगठन प्रोटोकॉल की घुटटी उन्हें शुरू से मिली है। उन्होंने नाराज कार्यकर्ताओं के लिए भी संदेश दिया और कहा कि जीवन में कोई रेस कभी खत्म नहीं होती। राजनीति में एक मर्यादित आचरण हमेशा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित सत्य है कि पार्टी अपने हर कार्यकर्ता पर नजर रखती है। जो एक्टिव हैं उनकी भी पूरी खबर होती है और जो डिएक्टिव मोड में चल रहे हैं उन पर भी पार्टी निगाह रखती है। आप राजनीति में साईलेंट हैं तो भी और आप कुछ ना मिलने पर वाईलेंट हैं तो भी आपकी उपस्थिति पर पार्टी की निगाह होती है। लिहाजा प्रत्येक देवतुल्य कार्यकर्ता अपनी उपस्थिति को मर्यादित बनाये और सब उनके आचरण की तारीफ करें जब उनपर संगठन की नजर जायेगी।

नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक आज
बजट प्रस्ताव तैयार और आमदनी बढ़ाने पर होगा विचार

सूत्र बताते हैं कि आय बढ़ाने के लिए इसमें चर्चा होगी और कई बड़े विकास कार्यों पर ये पक्ष रखा गया है। कार्यकारिणी के सदस्य बैठक में शामिल होंगे।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम की कार्यकारिणी बैठक आज है। काफी समय के बाद ये बैठक हो रही है। नगर निगम की कार्यकारिणी बैठक में आय बढ़ाने पर जोर रहेगा। 2026-27 के वित्तीय वर्ष के लिए नगर निगम में बजट का प्रस्ताव तैयार किया है। सूत्र बताते हैं कि आय बढ़ाने के लिए इसमें चर्चा होगी और कई बड़े विकास कार्यों पर ये पक्ष रखा गया है। कार्यकारिणी के सदस्य बैठक में शामिल होंगे।

20 पेज के बजट में हाउस टैक्स रहेगा आमदनी का प्रमुख स्त्रोत

करंट क्राइम। आज नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक है। इस बैठक में मुख्य बिंदु नगर निगम की आमदनी बढ़ाने का होगा। 20 पेज के बजट दस्तावेज में आर्थिक हालात आमदनी के स्त्रोत और किन किन मदों में खर्चा होगा इसका पूरा ब्यौरा दिया गया है। 20 पेज के बजट दस्तावेज में हाउस टैक्स और अन्य कर निगम की आमदनी का प्रमुख जरिया बना रहेंगे। सूत्र बताते हैं कि निगम का राजस्व बढ़ाने के लिए टैक्स वसूली को और व्यवस्थित करने पर चर्चा होगी। निगम राजस्व बढ़ाने के लिए कर संग्रह को और विकसित करेगा।

विज्ञापन, लाइसेंस शुल्क और जल कर से भी बढ़ेगी आमदमी

करंट क्राइम। नगर निगम की कार्यकारिणी बैठक में हाउस टैक्स के अलावा लाईसेंस शुल्क, विज्ञापन और वाटर टैक्स के जरिये निगम की आय में वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है। तुल्नात्मक आंकड़ों के साथ राजस्व प्राप्त करने की योजना बनाई गयी है। मुख्य जोड़ निगम की आमदनी बढ़ाने पर है। नगर निगम अपनी आय और खर्चों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश में है। निगम राजस्व बढ़ाने के लिए कर प्रणाली को और मजबूत करेगा। हाउस टैक्स जैसे मुददे भविष्य में भी केन्द्र में रह सकते हैं। राजस्व बढ़ाने पर जिस तरह से जोर है उससे ये संकेत मिल रहे हैं कि बजट एक आक्रामक वित्तीय रणनीति का संकेत दे रहा है।

प्रकाश व्यवस्था से लेकर जल आपूर्ति और सफाई पर निगम करेगा खर्चा

करंट क्राइम। निगम कार्यकारिणी बैठक में वित्तीय वर्ष का बजट प्रस्ताव आयेगा। यहां पर सूत्र बताते हैं कि जहां कर वसूली पर जोर है वहीं निगम सफाई व्यवस्था पर खर्च करेगा। जल निकासी व्यवस्था पर खर्च होगा। सड़क निर्माण और जनसुविधाओं पर खर्च किया जायेगा। बजट में पृष्ठ संख्या 4 से 10 तक खर्च का ही विवरण दिया गया है। इस ब्यौरे में सड़कों , नालों, जल निकासी, सफाई व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर बड़े पैमाने पर खर्च का प्रस्ताव आ रहा है। नये बजट में प्रशासनिक खर्च, प्रकाश व्यवस्था, जल आपूर्ति और निर्माण कार्य भी शामिल हैं।

आज नगर निगम के दस नामित पार्षद लेंगे शपथ

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम में कार्यकारिणी बैठक होगी और बैठक के बाद दस नामित पार्षद शपथ लेंगे। ये व्यवस्था सरकार की होती है और इसके तहत दस लोगों को नगर निगम का नामित पार्षद घोषित किया जाता है। इस बार जब नामित पार्षदों की सूचि आयी तो उसमें भाजपा कार्यकर्ता सुमन जाटव, परमजीत सिंह पम्मी, अंकुश अरोड़ा, भगवत गुप्ता, ज्योति चौहान को नामित पार्षद बनाया गया है। इस सूचि में संजय रावत, श्याम शर्मा, प्रदीप चौधरी, मधुकर त्यागी और सुनील यादव के भी नाम हैं। इस लिस्ट की एक खासियत है कि यहां अगर सबसे छोटे पार्षद के रूप में देखें तो ये अंकुश अरोड़ा का नाम है। महज 29 साल की आयु में वो नामित पार्षद बने हैं। वरिष्ठ कार्यकर्ता के लिहाज से देखें तो यहां परमजीत सिंह पम्मी का नाम बताया जाता है। परमजीत सिंह पम्मी की आयु 69 वर्ष है। सभी नामित पार्षद आज नगर निगम पहुंचेंगे और शपथ ग्रहण करेंगे।

तो क्या नहीं होगा बड़ा आयोजन और नहीं भेजे गये हैं निमंत्रण

करंट क्राइम। नामित पार्षद सरकार से मिले सम्मान को पाकर अभिभूत हैं। वो आज नगर निगम पहुचेंगे। लेकिन निगम सूत्र बता रहे हैं कि बड़ा आयोजन नहीं होगा। क्योंकि किसी टैन्ट या अन्य वस्तुओं के लिए निगम को नहीं कहा गया है। वहीं इस आयोजन में निगम के पदेन सदस्यों को भी नहीं बुलाया गया है। वहां भी ना निमंत्रण पहुंचे हैं। इसी तरह कार्यकारिणी सदस्यों के अतिरिक्त अन्य पार्षदों को भी शपथ समारोह का भी कोई निमंत्रण कोई सूचना नहीं है। इसे भी लेकरकोई चर्चा चल रही है। निगम में ये परम्परा रही है कि जब भी कोई नामित पार्षद बनता है तो वो शपथ ग्रहण के समय अपने परिवार के दो या तीन सदस्यों के साथ आता है। लेकिन यहां कोई ऐसी चहल-पहल नहीं दिख रही है। ना विधायकों को निमंत्रण है, ना पार्षदों के पास कोई सूचना है। सवाल यही है कि क्या निगम सभागार में ये शपथ ग्रहण समारोह होगा। क्या यहां निगम सदन के सदस्य रहेंगे।

लोनी में फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन हड़पने वाला आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के लोनी थाना क्षेत्र में जमीन से जुड़ी धोखाधड़ी के एक मामले में पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्लॉट बेचने से जुड़ा हुआ है।

जानकारी के अनुसार 8 अगस्त 2025 को विवेक सिंहल, निवासी संयोग नगर, मधुबन बापूधाम, गाजियाबाद ने लोनी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि कुछ अज्ञात लोगों ने उनके साथ धोखाधड़ी की और प्लॉट के फर्जी और कूटरचित कागजात तैयार किए।

आरोपियों ने गाली-गलौज भी की थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान सुन्दर नाम के व्यक्ति की भूमिका सामने आई। वह रामपार्क एक्सटेंशन, थाना ट्रोनिका सिटी, गाजियाबाद का रहने वाला है और प्रॉपर्टी का काम करता है। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की और 28 मार्च 2026 को उसे लोनी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह रहीसू नाम के व्यक्ति के साथ मिलकर प्रॉपर्टी का काम करता था। रहीसू के कहने पर वह सावित्री देवी नाम की महिला से मिला। इसके बाद तीनों ने मिलकर एक फर्जी मुख्तारनामा तैयार किया, जिसमें 900 वर्ग गज जमीन को गलत तरीके से अपने नाम दिखाया गया।

नई दिल्ली | दैनिक करंट क्राइम
04 | सोमवार • 30 मार्च -2026

संपादकीय

स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल

दिल्ली सरकार ने 2026-27 के लिए इसी हफ्ते लगभग 1.03 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इसमें स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 13,034 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो चालू वित्त वर्ष के आवंटन से लगभग 1 प्रतिशत अधिक है। सरकार की अस्पतालों का निर्माण पूरा करने, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का विस्तार करने और एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं की स्थापना करने पर ध्यान देने की योजना है। किंतु भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा हाल ही में जारी 2016-17 से 2021-22 तक की ऑडिट रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में बड़ी कमियां हैं। रिपोर्ट के अनुसार प्रमुख कमियां हैं झ्र 21 प्रतिशत से भी ज्यादा कर्मचारियों की कमी, आवश्यक दवाओं की अनुपलब्धता, अस्पतालों में अत्यधिक भीड़ और धन का इस्तेमाल नहीं होना। प्रति 1,000 लोगों पर अस्पताल के केवल 0.7 बिस्तर होना, सर्जरी के लिए लंबा इंतजार करना और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में देर होना शासन एवं क्षमता संबंधी गंभीर समस्याओं की ओर इशारा करते हैं।

लेकिन दिल्ली अपवाद नहीं है। ये समस्याएं पूरे देश में हैं और इनसे सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में बड़ी बुनियादी खामी का पता चलता है। स्वास्थ्य पर भारत का सार्वजनिक व्यय सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.8 प्रतिशत ही है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के 2.5 प्रतिशत के लक्ष्य से काफी कम है। परिवारों को अब भी स्वास्थ्य सेवा पर 39 प्रतिशत खर्च अपनी जेब से ही करना पड़ता है, जिसमें बड़ा खर्च दवाओं पर होता है।

इस कारण स्वास्थ्य सेवा हासिल करना कई परिवारों के वश में ही नहीं रह जाता। प्राथमिक बुनियादी ढांचे में कमियां स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं, जहां कई स्वास्थ्य केंद्र निर्धारित संख्या से कहीं बड़ी आबादी को सेवाएं प्रदान करते हैं। इस कारण भीड़भाड़ बढ़ती है और सेवा की गुणवत्ता कम होती है। भारत में भी प्रति 1,000 लोगों पर अस्पताल के केवल 1.4 बिस्तर उपलब्ध हैं, जो 3.5 के वैश्विक औसत से काफी कम है। मानव संसाधन की कमी बड़ी बाधा है। भारत में प्रति 1,263 लोगों पर एक डॉक्टर है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार प्रति 1,000 लोगों पर 1 डॉक्टर होना चाहिए। विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी ग्रामीण क्षेत्रों में काफी ज्यादा है, जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञों के लगभग 70 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं।

वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को लगभग 1.06 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जो पिछले वर्ष से 10 प्रतिशत अधिक है। इसका एक बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को दिया गया है और उसके बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान तथा मेडिकल कॉलेजों जैसे स्वायत्त संस्थानों को धनराशि आवंटित की गई है।

युद्ध का जेब पर असर: नमकीन, मिठाई और पानी की बोतल होगी महंगी

मुंबई। पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संकट की तपिश अब सीधे आम भारतीय की रसोई और घर के बजट तक पहुंच गई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों की आवाजाही ठप होने से लॉजिस्टिक और कच्चे माल की लागत में 20 प्रतिशत तक का भारी उछाल आया है। इसका सीधा नुकसान आम उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है, क्योंकि कमर्शियल एलपीजी और प्लास्टिक पैकेजिंग महंगी होने से रोजमर्रा के इस्तेमाल वाली नमकीन, मिठाई और यहां तक कि बोतलबंद पानी के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। इस भू-राजनीतिक तनाव के बीच आम आदमी के लिए क्या मायने रखता है, आइए विस्तार से समझते हैं।

छोटे व मंझोले कारोबारियों की परेशानी क्या? : कारोबारियों और संगठनों का कहना है कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) क्षेत्रों के लिए तेल की बढ़ती कीमतें परिचालन की लागत को बढ़ा रही हैं। लागत में वृद्धि होने से निमार्ताओं और व्यापारियों के लिए माल ढुलाई की लागत बढ़ रही है। प्लास्टिक, पैकेजिंग, केमिकल और कपड़े में उपयोग होने वाले पेट्रोकेमिकल जैसे कच्चे माल 20 प्रतिशत तक महंगे हो गए हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह से प्रभावित हुई है। इसकी वजह से खाड़ी देशों के सभी ऑर्डर कैंसल हो चुके हैं, शिपिंग लागत 20 प्रतिशत से अधिक बढ़ चुकी है। इसका नुकसान व्यापारियों के साथ किसानों को उठाना पड़ रहा है।

कृषि उत्पादों पर कैसे असर डाल रहा खाड़ी युद्ध? : महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रि एंड एग्रीकल्चर के अध्यक्ष ललित गांधी ने अमर उजाला डॉटकॉम से बातचीत में बताया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष भारतीय कारोबार पर असर डाल रहा है। जिसमें सबसे अधिक एग्रो कमोडिटी के उत्पाद प्रभावित हुए हैं। खाड़ी देशों (सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, कुवैत, ओमान और बहरीन) में भारत सबसे प्रमुख निर्यातक है, जहां चावल, मसाले, फल और कुछ प्रीमियम कमोडिटी उत्पाद भारत भेजता है, लेकिन

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह से प्रभावित हुई है। युद्ध के शुरूआती दिनों में खाड़ी देशों में निर्यात किया जाने वाला कच्चा माल रवाना हुआ, लेकिन इसको बीच से वापस लाना पड़ा जिससे सब कुछ खराब हो गया।

सेरेमिक और पैकेजिंग कारोबार पर जंग का क्या असर? : चैंबर ऑफ एसोसिएशन ऑफ महाराष्ट्र इंडस्ट्री एंड ट्रेड के अध्यक्ष दिपेन अग्रवाल बताते हैं, अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष का असर स्टील, सिरेमिक, ग्लास और प्लास्टिक उद्योग सहित उन सभी उद्योगों पर पड़ा है, जहां एलपीजी गैस का इस्तेमाल होता है। एलपीजी की आपूर्ति बाधित होने की वजह से इन सभी कारोबार की लागत बढ़ गई है। सिरेमिक और ग्लास उद्योग को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें से 25 प्रतिशत सिरेमिक निर्यात किया जाता है। मौजूदा समय में गैस सप्लाई की कम उपल्बधता और विदेशी बाजार के लिए बढ़ी हुई लॉजिस्टिक लागत का सीधा असर उत्पादन पर पड़ रहा है। अगर यही स्थिति अगले दो से तीन हफ्ते तक बनी रहती हैं, तो इससे कंपनियों को लंबे समय के लिए बंद करना पड़ सकता है।

अग्रवाल कहते हैं, दुबई हमारे लिए निर्यात का बढ़ा केंद्र है, यहां से माल को अन्य खाड़ी देशों में सप्लाई किया जाता है। लेकिन युद्ध होने की वजह से सभी ऑर्डर रद्द हो चुके हैं। कच्चा माल भी इन्हीं रास्तों से देश में आता है, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने की वजह से सप्लाई नहीं है। एमसएमसई क्षेत्र इस तनाव की वजह से बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

आयात-निर्यात पर अमेरिका-ईरान युद्ध का क्या असर?

मध्य पूर्व और खाड़ी देश हमारे सबसे बड़े बाजार है। लगातार युद्ध बढ़ने की वजह से यहां से सभी ऑर्डर कैंसल हो चुके है, शिपिंग लागत 20 प्रतिशत से अधिक बढ़ चुकी है। जिसका नुकसान व्यापारियों के साथ किसानों को उठाना पड़ रहा है, क्योंकि किसानों को उनके उत्पादों का सही दाम नहीं मिल रहा है। गांधी कहते हैं, आयात-निर्यात पूरी तरह बंद हो चुका है, जिसकी वजह से ऑटो पाट्‌र्स, हैवी मशीनरी के कलपुर्जे और इसे क्षेत्र से जुड़े कारोबार प्रभावित हो रहे हैं। बढ़ती शिपिंग लागत, होर्मुज जलडमरूमध्य में माल की देरी और उर्वरक की बढ़ती कीमतों से किसानों पर दबाव बढ़ रहा है। चावल और खाद्य तेल जैसी आवश्यक वस्तुओं के लिए रसद लागत में वृद्धि हो रही है। कमोडिटी विशेषज्ञ संतोष कुमार ने कहा, कृषि उत्पादों को काफी नुकसान पहुंचा है, मुख्य रूप से जहाजरानी में व्यवधान के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर, जिसके कारण माल ढुलाई लागत में वृद्धि, उर्वरक की कीमतों में उछाल और व्यापार प्रवाह में रुकावट इसके प्रमुख प्रभावों में भारतीय कृषि निर्यात (चावल, मांस, मसाले) पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। वैश्विक उर्वरक आपूर्ति (यूरिया, अमोनिया) से जुड़ा जोखिम भी बढ़ा है।

सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री में 'एजेंटिक एआई' की लहर: संकट या बड़ा अवसर?

नई दिल्ली। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सॉफ्टवेयर कंपनियों के अस्तित्व पर संभावित खतरे को लेकर चर्चा तेज हो गई है। वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स की एक ताजा रिपोर्ट ने इस बहस को नई दिशा दी है। रिपोर्ट के अनुसार, एआई तकनीक कुछ सॉफ्टवेयर कंपनियों के कारोबार मॉडल को बाधित कर सकती है।

हालांकि, रिपोर्ट यह भी बताती है कि एआई उद्योग में कई बड़े और नए अवसर भी पैदा करेगा। इस बदलते तकनीकी परिवेश में निवेशकों को बेहद चुनिंदा और सतर्क रुख अपनाने की सलाह दी गई है। पिछले एक दशक से अधिक समय से पारंपरिक सॉफ्टवेयर का ही उद्योगों पर दबदबा रहा है। सॉफ्टवेयर विकास के लिए नए 'एजेंटिक एआई उपकरण' के उदय ने बाजार में डर पैदा कर दिया है। यह डर है कि एआई सॉफ्टवेयर को पूरी तरह से ₹खा₹ सकता है। इससे इस क्षेत्र का पुनर्मूल्यांकन हो सकता है। गोल्डमैन सैक्स की अमेरिकी सॉफ्टवेयर विश्लेषक गैब्रिएला बोर्जेस ने इस धारणा को खारिज किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई भी एक सॉफ्टवेयर ही है। यह मूल रूप से कार्यों को पूरा करने के लिए बनाया गया कोड है।

बोर्जेस का अनुमान है कि एआई सॉफ्टवेयर बाजार के दायरे को और बढ़ाएंगे। इससे नए उत्पादों और सेवाओं के लिए रास्ते खुलेंगे। हालांकि, कोडिंग की लागत कम होने के कारण बाजार में प्रतिस्पर्धा काफी बढ़ जाएगी। कंपनियों को नवाचार पर अधिक ध्यान देना होगा। यह बदलाव सॉफ्टवेयर उद्योग के लिए महत्वपूर्ण होगा। रिपोर्ट निवेशकों को सलाह देती है कि वे एआई के प्रभाव को ध्यान से समझें। उन्हें उन कंपनियों की पहचान करनी चाहिए जो इस बदलाव का लाभ उठा सकती हैं। साथ ही, उन कंपनियों से बचना चाहिए जो एआई से नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकती हैं। दीर्घकालिक रणनीति अपनाना महत्वपूर्ण होगा।

रूस ने पेट्रोल निर्यात रोकने का फैसला लिया

भारत ने कहा- ईंधन भंडार पर्याप्त, चिंता की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। वैश्विक अस्थिरता और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच रूस सरकार ने एक अप्रैल से पेट्रोल निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। रूसी उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। नोवाक ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्राथमिकता घरेलू ईंधन की कीमतों को नियंत्रित रखना है। रूसी ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार वर्तमान रिफाइनिंग दरें स्थिर हैं और देश के पास पर्याप्त रिजर्व मौजूद है।

कच्चा तेल और ईंधन का पर्याप्त भंडार सुरक्षित : दूसरी ओर भारत सरकार ने भी स्पष्ट किया है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और तेल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने मंत्रालयों की संयुक्त समीक्षा में कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष से वैश्विक आपूर्ति और कीमतें प्रभावित हुई हैं, लेकिन भारत के पास अगले दो महीनों के लिए कच्चा तेल और ईंधन का पर्याप्त भंडार सुरक्षित है। रूसी सरकार के मुताबिक निर्यात पर प्रतिबंध का फैसला घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने के लिए लिया गया है।

पश्चिम एशिया में संकट के बीच भारत में किल्लत की आशंकाओं को लेकर पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने दावा किया है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है।

भारत में घरेलू एलपीजी उत्पादन में 20% की वृद्धि : उन्होंने बताया कि भारतीय रिफाइनरियां 100% से अधिक क्षमता पर काम कर रहीं।

स्वास्थ्य बीमा का दावा पास कराना होगा आसान
नई तकनीक से निपटेंगे मामले

मुंबई । मेडिकल इमरजेंसी के वक्त अस्पताल के इलाज से ज्यादा तनाव अक्सर मरीजों और उनके परिजनों को हेल्थ इंश्योरेंस का 'क्लेम पास' कराने को लेकर होता है। लेकिन अब पॉलिसीधारकों की इस सबसे बड़ी परेशानी का स्थायी समाधान होने जा रहा है। सरकार द्वारा हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम को किफायती बनाने के प्रयासों के बीच, अब उद्योग के प्रतिनिधि निकाय 'जनरल इंश्योरेंस काउंसिल' ने अपना पूरा ध्यान दावा निपटान को पारदर्शी और तेज बनाने पर लगा दिया है।

अब ग्राहकों को क्लेम के लिए घंटों इंतजार नहीं करना पड़ेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई, सरकार के नए 'नेशनल हेल्थ क्लेम्स एक्सचेंज' (एनएचसीएक्स) और उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए बीमा कंपनियों और अस्पतालों के बीच सीधा और मजबूत तालमेल बनाया जा रहा है।

रेमंड समूह के पूर्व अध्यक्ष विजयपत सिंघानिया का 87 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली। रेमंड समूह के पूर्व अध्यक्ष विजयपत सिंघानिया का शनिवार शाम निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे और उनका निधन शांतिपूर्ण तरीके से हुआ। उनके परिवार ने इस दुखद समाचार की पुष्टि की। समूह के वर्तमान अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक गौतम सिंघानिया ने 'एक्स' पर निधन की जानकारी दी। रेमंड समूह के प्रवक्ता ने बताया कि विजयपत सिंघानिया का अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा। विजयपत सिंघानिया को भारत के प्रतिष्ठित पद्म भूषण सम्मान से नवाजा गया था। वह एक उत्साही विमान

चालक के रूप में भी जाने जाते थे। उन्होंने गर्म हवा के गुब्बारे में सर्वाधिक ऊंचाई हासिल करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने वर्ष 2000 तक दो दशकों तक रेमंड का अध्यक्ष पद संभाला।

रोचक तथ्यों का करंट

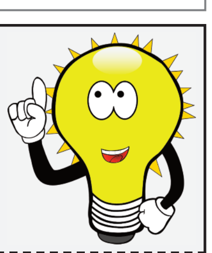

- आपको जानकर आश्चर्य होगा की टमाटर पीले, गुलाबी, बैंगनी, काले और यहां तक कि सफेद भी हो सकते हैं।
- न्यू जर्सी के सालेम में 28 जून, 1820 को टमाटर को 'परीक्षण पर' रखा गया था। एक न्यायालय के सामने, रॉबर्ट जॉनसन ने यह साबित करने के लिए टमाटर का एक ढेर खाया कि वे जहरीले नहीं थे। देखने वालों की भीड़ उसके मरने के लिए इंतजार कर रही थी। लेकिन वह मारा नहीं।
- टमाटर के बीज होते हैं और वनस्पति पौधे से उगते हैं, इसे फल के रूप में वगीर्कृत किया जाता है, न कि एक सब्जी के रूप में।
- टमाटर मूल रूप से पेरू देश से आए थे।
- साल 2013 में, एक यूके कंपनी ने 'टॉमटाटो' का एक पौधा बनाया जिसके उपरी भाग पर टमाटर उगते हैं और मिटटी के नीचे आलू।
- ठंडी जलवायु वाली जगहों में टमाटर आमतौर पर ग्लासहाउस (ग्रीनहाउस) में उगाए जाते हैं।
- दुनिया भर में टमाटर की लगभग 10,000 किस्में हैं।
- एक जापानी कंपनी ने एक रोबोट का आविष्कार किया जो आपकी पीठ पर बैठता है और आपको दौड़ते समय टमाटर भी खिलाता है।

राशिफल

मेष : आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष : जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन : शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क : पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह : व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या : प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला : कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक ? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु : आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर : लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ : किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन : वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

टीटू जंगल में जा रहा था तभी एक सांप ने उसके पैर में काट लिया।
टीटू को अचानक गुस्सा आया और सांप के आगे पैर कर दिया,
कहा ले...काट ले...जितना काटना है काट ले।
सांप ने फिर तीन-चार बार पैर पर लगातार काटा
फिर सांप थक कर बोला- अबे तू इंसान है या भूत?
टीटू- मैं तो इंसान ही हूं लेकिन मेरा यह पैर नकली है।

पत्नी ने मायके जाकर पति को फोन किया
और कहा कैसे हो जी,
पति ने फोन उठाया और कहा ठीक हूं।
पत्नी- मेरी याद आती है तब क्या करते हो?
पति- तुम्हारी पसंदीदा आइसक्रीम केसर
पिस्ता खा लेता हूं। और मेरी याद आने
पर तुम क्या करती हो?
पत्नी - मैं भी रॉयल स्टैग का क्वाटर और तीन सिगरेट
पीकर एक रजनीगंधा खा लेती हूं।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

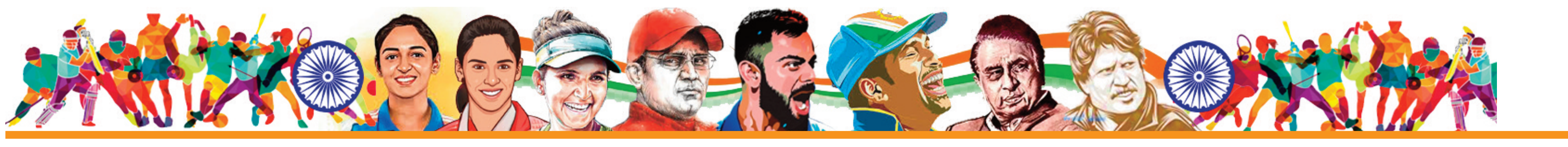

पीएम मोदी से मिली तारीफ के बाद गदगद हुए जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ी कन्हैया

मुंबई। पीएम मोदी ने मन की बात में जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी जीत की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया। टीम के खिलाड़ी कन्हैया वाधवन ने इसे कड़ी मेहनत का फल बताया और भविष्य में भी शानदार प्रदर्शन जारी रखने का भरोसा जताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के अपने 132वें एपिसोड में रणजी ट्रॉफी का खिताब पहली बार जीतने वाली जम्मू-कश्मीर टीम की सराहना की। उन्होंने टीम की इस जीत को ऐतिहासिक और प्रेरणादायक बताया। पीएम मोदी से मिली तारीफ से जम्मू-कश्मीर के विकेटकीपर-बल्लेबाज कन्हैया वाधवन गदगद नजर आए।

कन्हैया ने जताया पीएम मोदी का आभार

कन्हैया ने आईएएनएस के साथ बात करते हुए कहा, 'सबसे पहले मैं पीएम मोदी को धन्यवाद कहना चाहूंगा। उन्होंने हमारी तारीफ की। हमारी कड़ी मेहनत का नतीजा आया, तो उन्होंने 'मन की बात' में इसका जिक्र किया। यह काफी अच्छा एहसास है। हम काफी लंबे समय के बाद पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीते हैं, लेकिन यह आखिरी नहीं होगी और हम आगे भी अच्छा प्रदर्शन करने की पूरी कोशिश करेंगे।'

उन्होंने आगे कहा, 'यह पूरी टीम, एसोसिएशन और सभी की मेहनत का फल है। यहां के लोगों की दुआएं हमारे साथ हैं। इस सफलता में बीसीसीआई प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास और आईसीसी चीफ जय शाह का भी काफी अहम योगदान है। हम पिछले दो से तीन साल से मेहनत कर रहे थे और अब जाकर यह पल आया है। यह पूरे राज्य के लिए गर्व का पल है।'

पीएम ने मन की बात में की जम्मू-कश्मीर की तारीफ

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' में जम्मू-कश्मीर टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक जीत टीम को लगभग सात दशकों के बाद मिली है। उन्होंने टीम के कप्तान पारस डोगरा की भी तारीफ की।

केकेआर के खिलाफ खेलना हमेशा से ही रोहित को आता है काफी रास

बल्लेबाजी में रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, क्विंटन डी कॉक, रयान रिकेल्टन, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या और रदरफोर्ड के रूप में टीम के पास दमदार बैटिंग ऑर्डर मौजूद है

केकेआर और मुंबई के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड

केकेआर के खिलाफ मुंबई इंडियंस का रिकॉर्ड वानखेड़े के मैदान पर कमाल का रहा है। इस ग्राउंड पर दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 12 मैच खेले गए हैं। इसमें से 10 मुकाबले मुंबई ने जीते हैं जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम सिर्फ दो मैच ही जीत सकी है। ओवरऑल रिकॉर्ड में भी मुंबई का पलड़ा भारी रहा है। मुंबई ने 35 मुकाबलों में से 24 में जीत दर्ज की है तो केकेआर ने सिर्फ 11 मैच जीते हैं। साल 2025 में दोनों टीमों की भिड़ंत एक बार हुई थी, जहां मुंबई इंडियंस ने 8 विकेट से जीत हासिल की थी।

मुंबई। केकेआर के खिलाफ मुकाबले में 11 रन बनाते ही रोहित शर्मा बड़ी उपलब्धि हासिल कर लेंगे। वह इस टीम के खिलाफ सर्वाधिक रन बनाने के मामले में डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ देंगे।

आईपीएल 2026 का दूसरा मुकाबला मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में केकेआर के खिलाफ मुंबई का रिकॉर्ड दमदार रहा है। इस मुकाबले में रोहित शर्मा के पास एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका होगा।

दरअसल, आईपीएल में केकेआर के खिलाफ सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अभी डेविड वॉर्नर के नाम है। वॉर्नर ने 28 पारियों में कोलकाता के गेंदबाजी अटैक के सामने 1093 रन बनाए हैं। वहीं, इस लिस्ट में अभी रोहित दूसरे नंबर पर हैं। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान ने 35 पारियों में 1083 रन बनाए हैं। अगर वानखेड़े में होने वाले मुकाबले में 11 रन बनाने में सफल रहते हैं, तो वह केकेआर के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

रोहित को केकेआर के खिलाफ खेलना हमेशा से ही काफी रास आता है। वह इस टीम के खिलाफ एक शतक और 6 अर्धशतक लगा चुके हैं। मुंबई की टीम इस सीजन में काफी मजबूत दिखाई दे रही है। बल्लेबाजी में रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, क्विंटन डी कॉक, रयान रिकेल्टन, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या और रदरफोर्ड के रूप में टीम के पास दमदार बैटिंग ऑर्डर मौजूद है। वहीं, गेंदबाजी में मुंबई के पास जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट जैसे दो धाकड़ गेंदबाज मौजूद हैं। दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर भी पावरप्ले में टीम के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं। दूसरी ओर, कोलकाता नाइट राइडर्स का भी बैटिंग ऑर्डर दमदार दिख रहा है। टिम सीफर्ट और फिन एलन की हालिया फॉर्म कमाल की रही है। हालांकि, टीम को इस सीजन अजिंक्य रहाणे, रिंकू सिंह और रॉवमैन पॉवेल से भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। केकेआर का तेज गेंदबाजी अटैक जरूर आईपीएल 2026 में कमजोर दिखाई दे रहा है।

साल 2012 में की थी आईपीएल के सीजन की शुरूआत

सीजन के ओपनिंग मैच में खराब रहा है रिकॉर्ड

मुंबई। मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच आज आईपीएल 2026 का मुकाबला खेला जाएगा। मुंबई की टीम भले ही कागजों में मजबूत दिख रही है, लेकिन पिछले 13 साल से ये टीम आईपीएल सीजन का पहला मैच नहीं जीत सकी है।

आईपीएल 2026 के दूसरे मुकाबले में रविवार को मुंबई इंडियंस की भिड़ंत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ होगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। मुंबई पिछले 13 साल से टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला नहीं जीत सकी है और उसकी नजरें अपने होम ग्राउंड पर इस तिलिस्म को तोड़ने की होगी।

आखिरी बार 2012 में जीता था ओपनिंग मैच

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल के सीजन की शुरूआत आखिरी बार जीत के साथ साल 2012 में की थी। इसके बाद से हर बार टीम को टूर्नामेंट के पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा है। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुंबई इस खराब रिकॉर्ड से इस बार पीछा छुड़ाना चाहेगी। आईपीएल 2026 में मुंबई की टीम कागज पर काफी दमदार नजर आ रही है।

टीम के पास रोहित शर्मा, क्विंटन डिकॉक और रेयान रिकेल्टन के रूप में तीन धाकड़ सलामी बल्लेबाज मौजूद हैं। मुंबई का मध्य क्रम भी काफी संतुलित नजर रहा है। मध्यक्रम में टीम के पास तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, नमन धीर के रूप में दमदार बल्लेबाज हैं। इसके साथ ही नीलामी में टीम ने शेरफेन रदरफोर्ड को भी खरीदा है, जो अकेले दम पर किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं। वहीं, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स और शार्दुल ठाकुर बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दे सकते हैं। जैक्स की हालिया फॉर्म भी काफी शानदार रही है, लेकिन वह केकेआर के खिलाफ मैच का हिस्सा नहीं होंगे।

केकेआर-मुंबई का हेड टू हेड रिकॉर्ड

वानखेड़े के मैदान पर केकेआर के खिलाफ मुंबई इंडियंस का रिकॉर्ड भी शानदार रहा है। वानखेड़े में दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले 12 मुकाबलों में से केकेआर महज दो मैच ही जीत सकी है। मुंबई और केकेआर के बीच आईपीएल में अब तक कुल 35 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से मुंबई ने 24 मुकाबलों में जीत दर्ज की है जबकि केकेआर ने 11 मैच जीते हैं।

गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह टीम के पेस अटैक की कमान संभालते नजर आएंगे। बुमराह का साथ दीपक चाहर और ट्रेंट बोल्ट देंगे। वहीं, स्पिन विभाग में टीम के पास अल्लाह गजनफर और मिचेल सैंटनर के रूप में दो अच्छे स्पिनर्स मौजूद हैं।

ट्रोलर्स के कमेंट पर भड़के हरभजन सिंह

नई दिल्ली। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ट्रोल के साथ सोशल मीडिया पर विवाद में उलझ गए, जहां उन्होंने तीखी और अमर्यादित भाषा में जवाब दिया। अब इस पर बहस छिड़ गई है।

भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह एक बार फिर सोशल मीडिया पर विवादों में घिर गए हैं। आईपीएल 2026 के दौरान कमेंट्री पैनल का हिस्सा बने हरभजन का एक ट्रोल यूजर के साथ तीखा विवाद हो गया, जिसने देखते ही देखते सोशल मीडिया पर बड़ा रूप ले लिया। इस पूरे मामले में हरभजन ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया, जिसे लेकर भी काफी चर्चा हो रही है। पूरा विवाद एक ट्रोल अकाउंट की टिप्पणी से शुरू हुआ। उस यूजर ने वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर इयान बिशप की तारीफ करते हुए उन्हें हरभजन सिंह, वीरेंद्र सहवाग और नवजोत सिंह सिद्धू से ज्यादा भारतीय बताया। इस टिप्पणी के जरिए यूजर ने भारतीय खिलाड़ियों पर तंज कसने की कोशिश की।

'120% देना चाहता हूं', कोहली ने दमदार पारी पर दिया बयान; पडिक्कल के खेल पर क्या बोले विराट?

बंगलूरू। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम को जीत दिलाई। कोहली ने 38 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन बनाए। कोहली ने इस पारी के बाद कहा कि वह टीम के लिए 120 प्रतिशत देना चाहते हैं और बिना तैयारी के खेलने नहीं उतरते हैं।

लय में हैं कोहली

कोहली अब भारत के लिए सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं और टी20 में वह सिर्फ आईपीएल ही खेल रहे हैं। अपनी पारी को लेकर कोहली ने कहा, वापस यहां आकर अच्छा लग रहा है। आखिरी मैच मैने पिछले साल आईपीएल फाइनल खेला था, लेकिन हाल ही में वनडे सीरीज में जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे मुझे लय हासिल करने में मदद मिली। मैं वह शॉट्स नहीं खेल रहा था जो आम तौर पर नहीं खेलता। मुझे पता है कि मैं लय में हूं और मैने फिटनेस पर भी काफी मेहनत की है तो प्रदर्शन अच्छा ही रहेगा। हमारे पास अच्छी शुरूआत का मौका था और हमने वही किया।

देवदत्त पडिक्कल की 26 गेंद में 61 रन की पारी को शानदार बताते हुए कोहली ने कहा, मैं पावरप्ले में आक्रामक खेलना चाहता था लेकिन जब मैने पडिक्कल को इस तरह खेलते देखा तो उसे अधिक स्ट्राइक देने की कोशिश की। उसने एक बेहतरीन पारी खेलकर मैच सनराइजर्स की जद से बाहर कर दिया।

कोहली बोले- ब्रेक से मिला फायदा

सिर्फ एक ही प्रारूप खेलने के बारे में पूछने पर कोहली ने कहा, पिछले 15 साल से जिस तरह का कार्यक्रम रहा है और हमने जितनी क्रिकेट खेली है, मेरे लिए तैयारी की कमी के बजाय जरूरत से ज्यादा खेलने की थकान का जोखिम अधिक रहा है। इसलिए इन ब्रेक से तरोताजा होकर लौटने में काफी मदद मिली। जब भी मैं खेलने आता हूं तो 120 प्रतिशत देने की कोशिश रहती है। कभी तैयारी के बिना नहीं आता। अतिरिक्त विश्राम से मुझे मानसिक रूप से तरोताजा होने में मदद मिली। अगर आप शारीरिक और मानसिक रूप से तरोताजा होकर खेलते हैं तो टीम के लिए योगदान दे सकते हैं और यही हर खिलाड़ी करना चाहता है।

अजिंक्य रहाणे और युवा अंगकृष को वानखेड़े में खेलने का अच्छा अनुभव

मुंबई। पांच साल से छठे आईपीएल खिताब के लिए संघर्ष कर रही मुंबई इंडियंस की टीम खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रहे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ रविवार को बड़ी जीत दर्ज कर धमाकेदार आगाज करना चाहेगी। पांच बार की चैंपियन मुंबई गेंदबाजी और बल्लेबाजी समेत हर क्षेत्र में तीन बार के विजेता केकेआर से मजबूत दिख रही है।

मुंबई इंडियंस ने 2013 से 2020 के बीच पांच खिताब जीते थे, लेकिन वह पिछले कुछ वर्षों से चैंपियन नहीं बन पाई है। इस बार हार्दिक पांड्या की अगुआई में मुंबई मजबूत दिख रही है। रोहित शर्मा फॉर्म में वापसी के लिए उत्सुक होंगे। मुंबई के पास कई शानदार विदेशी खिलाड़ी भी हैं, जिनमें रिकेल्टन, रदरफोर्ड, मिचेल सेंटनर, विल जैक्स और ट्रेंट बोल्ट प्रमुख हैं। हालांकि, स्टार खिलाड़ियों से सजी मुंबई के लिए टीम का चयन कड़ी चुनौती होगा।

केकेआर के मुख्य तेज गेंदबाज चोटिल होकर बाहर हो गए हैं, लेकिन कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा अंगकृष को वानखेड़े में खेलने का अच्छा अनुभव है। बल्लेबाजी में फिन एलन, टिम सीफर्ट मजबूती देंगे। रचिन रवींद्र, सुनील नरेन से ऑलराउंड प्रदर्शन की उम्मीद है। मुस्तफिजुर रहमान की जगह शामिल किए गए ब्लेसिंग मुजरबानी पर तेज गेंदबाजी, तो वरुण चक्रवर्ती पर स्पिन आक्रमण का भार रहेगा।

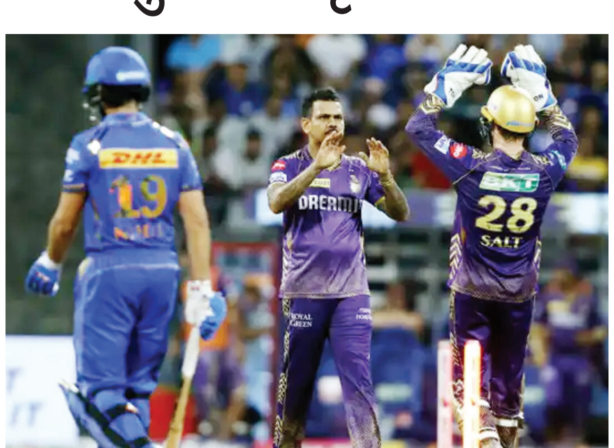

रोहित शर्मा फॉर्म में वापसी करने के लिए उत्सुक होंगे। रोहित के अलावा उसकी टीम में कई स्टार खिलाड़ी हैं जिनमें भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ी कप्तान सूर्यकुमार यादव, पंड्या, तिलक वर्मा और जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं।

मुंबई इंडियंस के पास कई शानदार विदेशी खिलाड़ी भी हैं, जिनमें रेयान रिकेल्टन, शेरफेन रदरफोर्ड, कॉर्बिन बॉश, न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सैंटनर, विल जैक्स, एएम गजनफर और ट्रेंट बोल्ट प्रमुख हैं। बुमराह और बोल्ट की जोड़ी खतरनाक साबित हो सकती है। शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर के रूप में मुंबई इंडियंस के पास दो अनुभवी भारतीय गेंदबाज हैं, जबकि नमन धीर एक बार फिर फिनिशर की भूमिका अच्छी तरह से निभाने की कोशिश करेंगे। पिछले साल उन्होंने अपनी इस भूमिका के साथ पूरा न्याय किया था।

केकेआर के पास विदेशी खिलाड़ियों का अच्छा पूल

नीलामी के समय केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण अच्छा नजर आ रहा था, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर फ्रेंचाइजी ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बाहर कर दिया था, जबकि उसके दो भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप और हर्षित राणा चोट के कारण टूनार्मेंट से बाहर हो गए हैं। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी प्रतिभाशाली हैं लेकिन उन पर दबाव हो सकता है। ऐसे में गेंदबाजी विभाग की बड़ी जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती को निभानी पड़ेगी जो टी20 विश्व कप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। केकेआर की टीम में सीएसके के दो पूर्व खिलाड़ी रचिन रविंद्र और मथीशा पथिराना भी शामिल हैं। टिम सीफर्ट विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर एकमात्र शुरूआती विकल्प हैं, जबकि उनके पास कैमरन ग्रीन और सुनील नरेन के रूप में दो बेहतरीन ऑलराउंडर भी मौजूद हैं। वहीं, फिन एलन के तौर पर भी टीम के पास एक अच्छा बल्लेबाज है।

पेशेवर मुक्केबाजी में उतर सकती हैं छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मैरी कॉम, खुद दिए संकेत

नई दिल्ली। छह बार की विश्व चैंपियन भारत की अनुभवी महिला मुक्केबाज एम सी मैरी कॉम पेशेवर मुक्केबाजी की ओर कदम बढ़ाने पर विचार कर रही हैं।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और छह बार की विश्व चैंपियन भारतीय मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम ने रविवार को कहा कि वह पेशेवर मुक्केबाजी में उतर सकती हैं। लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक पदक जीतने वाली

पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनी 43 वर्ष की मैरी कॉम ने कहा कि अमैच्योर सर्किट पर खेलने के लिए अब उनकी उम्र निकल चुकी है।

मैरी कॉम ने कहा, छह विश्व चैंपियनशिप जीतना खास रहा। अब मैं उस उम्र में हूं कि देश के लिए अमैच्योर सर्किट पर नहीं खेल सकती। पेशेवर मुक्केबाजी एक नया मौका हो सकता है। अभी इस बारे में सोच रही हूं। मैं कड़ी मेहनत करके वापसी की कोशिश में हूं ताकि लोगों को बता सकूं कि मैं क्या कर सकती हूं। मैं निजी तौर पर अपनी अकादमी से भी जुड़ी हूं। कई बार मणिपुर के मौजूदा हालात के कारण मुश्किल हो जाती है लेकिन मैं जब नहीं जा पाती हूं तो भी फोन कॉल से अकादमी का कामकाज देखती हूं।

फ्रेंच ओपन की तैयारियों पर सवाल, नोवाक डिजोकोविच ने मोन्टी कारलो मास्टर्स से भी नाम वापस लिया

नई दिल्ली। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने मियामी ओपन के बाद अब मोंटेकार्लो मास्टर्स से भी नाम वापस ले लिया है। इंडियन वेल्स में मिली हार के बाद से कोर्ट से दूर जोकोविच के इस क्ले-कोर्ट टूर्नामेंट से हटने से उनके आगामी फ्रेंच ओपन की तैयारियों पर असर पड़ सकता है।

ROLEX MONTE-CARLO MASTERS

नोवाक जोकोविच ने दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन में भाग न लेने के बाद मोंटेकार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से भी नाम वापस ले लिया है। इस क्लेकोर्ट टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर जोकोविच के टूर्नामेंट से हटने की घोषणा करते हुए लिखा, हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह जल्द ही कोर्ट पर वापसी करेंगे।

इस पोस्ट में 38 वर्षीय जोकोविच के टूर्नामेंट से हटने का कारण स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने दो सप्ताह पहले बीएनपी पारिबास ओपन के चौथे दौर में जैक ड्रेपर से तीन सेटों में हारने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। एक साल पहले मोंटेकार्लो में जोकोविच दूसरे दौर में एलेजांद्रो तबिलो से हार गए थे। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी जोकोविच ने भी टूर्नामेंट से नाम वापस लेने के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है।

अरिना सबालेंका ने जीता मियामी ओपन का खिताब

फाइनल में कोको गॉफ को हराया, पूरा किया सनशाइन डबल

मियामी। विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी अरिना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मियामी ओपन का खिताब बचा लिया है। सबालेंका ने फाइनल में कोको गॉफ को हराया।

अरिना सबालेंका ने मियामी ओपन के खिताब को अपने नाम किया। उन्होंने फाइनल मुकाबले में विश्व के चौथे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया। इगा स्वियातेक के बाद सबालेंका 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। यह उनका लगातार दूसरा मियामी ओपन खिताब है। इससे पहले एश्ले बार्टी (2019 और 2021) और सेरेना विलियम्स (2013 से 2015) ही लगातार यह टूर्नामेंट जीत पाई थीं। इस तरह सबालेंका ने दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में अपनी जगह बना ली है।

सबालेंका का कीर्तिमान

सबालेंका एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी में सनशाइन डबल जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं। सबालेंका से पहले स्टेफी ग्राफ, किम क्लिस्टर्स, विक्टोरिया अजारेंका और इगा स्वियाटेक यह कारनामा कर चुकी हैं। सबालेंका 2000 के बाद से चौथी खिलाड़ी हैं जो साल के अपने पहले चार टूनार्मेंट (मार्टिना हिंगिस, 2001, सेरेना विलियम्स, 2003, और विक्टोरिया अजारेंका, 2012) के फाइनल में पहुंची हैं। ये सभी टूनार्मेंट हार्ड कोर्ट पर हुए हैं। उन्होंने इनमें से तीन जीते, जिसमें ब्रिस्बेन और सनशाइन डबल शामिल हैं। खिताब जीतने के बाद सबालेंका ने कहा, यह खिताब काफी खास है। मेरा लक्ष्य हमेशा इतिहास में अपना नाम दर्ज कराना रहा है और मैंने बस वही किया। यह सुनने में बहुत अजीब लगता है। मुझे नहीं पता कि मैं यह कैसे कर पाई, लेकिन अभी मुझे बहुत गर्व है। बेशक, इस खूबसूरत ट्रॉफी से बहुत खुश हूं।

नंबर पर स्थिति मजबूत की

यह जीत उनके करियर का 24वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब और कुल मिलाकर 30वां खिताब है जिसमें छह युगल खिताब भी शामिल हैं। इनमें चार ग्रैंडस्लैम एकल खिताब, दो डबल्स, 11 डब्ल्यूटीए 1000 सिंगल्स टाइटल और दो डबल्स खिताब शामिल हैं। सबालेंका लंबे समय से दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनी हुई हैं और अब उनकी यह स्थिति और मजबूत हो गई है। सबालेंका ने अब तक विश्व नंबर एक खिलाड़ी के रूप में कुल 83 हफ्ते बिताए हैं। इसमें उनका मौजूदा शानदार दौर भी शामिल है जो लगातार 75 हफ्तों तक पहुंच चुका है। सोमवार को वह लगातार 76वें हफ्ते के लिए नंबर एक बनी रहेंगी। इसके साथ ही वह इगा स्वियातेक के सबसे लंबे नंबर एक रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगी। हालांकि, उनसे आगे अभी एश्ले बार्टी हैं, जिन्होंने सितंबर 2019 से मार्च 2022 तक लगातार 114 हफ्तों तक नंबर 1 की कुर्सी संभाली थी। उस दौरान कोविड-19 महामारी की वजह से रैंकिंग कुछ समय के लिए रुकी भी थी।

आंगनबाड़ी केंद्र का दरवाजा गिरा, 3 बच्चे घायल

मोदीनगर उपजिलाधिकारी ने जांच के आदेश दिए, समिति गठित

मोदीनगर करंट क्राइम। मोदीनगर तहसील के ग्राम मानकी में एक आंगनबाड़ी केंद्र में शनिवार, 28 मार्च 2026 को बड़ा हादसा हो गया। केंद्र का दरवाजा अचानक गिरने से वहां मौजूद तीन बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बच्चों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

घायल बच्चों में फैजान (4 वर्ष), कुमारी जासिया (3 वर्ष) और आरिश (2 वर्ष) शामिल हैं। तीनों के सिर में चोटें आई थीं। उन्हें तत्काल मोदीनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

मेरठ मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने बच्चों का सीटी स्कैन और एक्स-रे कराया। इलाज कर रहे डॉक्टर मनीष के अनुसार, सभी जांच रिपोर्ट सामान्य हैं और बच्चों की स्थिति स्थिर है। कुछ घंटों की निगरानी के बाद उन्हें घर भेज दिया जाएगा।

घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन सक्रिय हो गया। मोदीनगर उपजिलाधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दिए हैं। एक समिति का गठन किया गया है, जो आंगनबाड़ी केंद्र की स्थिति और हादसे के कारणों की जांच करेगी।

ग्रामीणों ने आंगनबाड़ी केंद्र की जर्जर हालत पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने प्रशासन से ऐसे केंद्रों की नियमित जांच और आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

गैस किल्लत से बुझने लगे रेस्टोरेंट और स्वीट कॉर्नर के चूल्हे

ऑनलाइन ऑर्डर बंद, डीजल की भट्ठियों और कोयले के भरोसे काम

तरूण शर्मा | मुकेश पाल | गणेश ठाकुर

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। महानगर में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की भारी किल्लत ने खान-पान के कारोबार की कमर तोड़ दी है। आलम यह है कि शहर के प्रसिद्ध रेस्टोरेंट और स्वीट कॉर्नर पर गैस की कमी के चलते कामकाज 50 प्रतिशत तक प्रभावित हो गया है। सुचारू आपूर्ति न होने के कारण व्यापारियों को मजबूरन पुराने दौर की तरह डीजल की भट्टी, कोयला और लकड़ी का सहारा लेना पड़ रहा है। गैस संकट का सबसे बड़ा असर ऑनलाइन फूड डिलीवरी पर पड़ा है।

व्यवसाई तरुण शर्मा ने बताया कि गैस की अनिश्चितता के चलते सभी ऑनलाइन ऑर्डर बंद कर दिए गए हैं, क्योंकि समय पर खाना तैयार कर पाना अब चुनौती बन गया है। मुकेश पाल ने बताया कि पिछले वर्ष नवरात्रि के दौरान क्षेत्र में 16 भंडारे आयोजित किए गए थे, लेकिन इस बार गैस न मिल पाने के कारण एक भी भंडारा आयोजित नहीं हो सका। कमर्शियल सिलेंडरों की कालाबाजारी और अनुपलब्धता से व्यापारियों की लागत बढ़ गई है। डीजल की भट्टी शुरू कर दी गई है वही लकड़ी व कोयले से तंदूर का इस्तेमाल किया जा रहा है। गणेश ठाकुर ने बताया कि पहले सिलेंडर आसानी से उपलब्ध हो जाते थे, लेकिन अब घंटों इंतजार के बाद भी आपूर्ति नहीं मिल रही है। काम आधा रह जाने के कारण अब दुकानदारों को अपने कर्मचारियों की छंटनी करने पर मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे कई परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि त्योहारों के सीजन को देखते हुए कमर्शियल गैस की आपूर्ति तत्काल सामान्य की जाए, ताकि छोटे और मध्यम उद्योगों को बंद होने से बचाया जा सके।

ये है भगवा अदावत जब उनके ना बनने पर कर दी किसी ने दावत

राजनीति में हर कोई चाहता है कि उसे लाभ हो जाये। लेकिन नयी सियासत में सीन ये है कि हम तो डूबेंगे सनम, तुमको भी ले डुबेंगे। फूल वालों के यहां नामित वाली ताजपोशी का बैन्ड बज रहा है। लेकिन ताजपोशी से अलग जाकर एक दावत पूरी गर्मजोशी से हुई है। ये दावत किसी के बनने पर नहीं थी बल्कि किसी का काम बिगड़ने की खुशी में थी। भगवा अदावत की दावत के आयोजक वाले सीन में एक नहीं दो नहीं बल्कि तीन भाजपाई हैं। बताते हैं कि तीन भाजपाई इस बात पर झूम उठे कि हम बनें ना बनें लेकिन हमारी खुशी ये है कि वो भी नहीं बने। बनने की खुशी सबने सुनी होगी लेकिन किसी के ना बनने की खुशी में कोई और दावत दे रहा है ये ही तो नयी भाजपा है।

कौन से नामित पार्षद करते हैं पहले से ही नगर निगम में ठेकेदारी

वैसे तो ठेकेदारी करना कोई गुनाह नहीं है। यह विशुद्ध रूप से व्यवसाय है और तभी आप ठेकेदार बन सकते हैं जब आपके पास ठेकेदारी करने की हैसियत का प्रमाण पत्र हो, आपके पास चरित्र प्रमाण पत्र हो और फर्म रजिस्टर्ड हो। लेकिन पता नहीं क्यों फ्लॉवर्स सियासत में ठेकेदारी को अलग निगाह से देखा जाता है और गजब ये है कि कई फ्लॉवर ठेंकेदारी कर रहे हैं। नामित पार्षदों वाली बाहर आयी तो निगम का ट्विस्ट भी बाहर आ गया। निगम के दरवाजों से ही बात बाहर निकल कि उस पार वाले नामित जी तो पहले से ही निगम में ठेकेदारी कर रहे हैं। कहानी का ट्विस्ट ये भी है कि पार्षद जी निर्माण से लेकर फाईनेंस तक देखते हैं और फर्म किसी दूसरे फ्लॉवर के नाम पर रजिस्टर्ड है। यहां पर सवाल ये भी उठ रहा है कि अब पार्षद जी जेई साहब की मानेंगे या जेई साहब अब पार्षद की मानेंगे।

पहले 3 मिनट पैर दबाये, फिर माला पहनाई, फिर 3 मिनट तक पैर दबाये

फूल कृपा हुई है तो आभार उनका व्यक्त करना ही चाहिए, जिनकी कृपा से नाम के आगे पार्षद लिखा गया है। आभार तो ठीक है लेकिन पैर को ही चिपट जाओ ये ठीक नहीं है। जनप्रतिनिधि आयु में छोटे और नामित पार्षद बड़े। लेकिन देखने वालों ने गजब का सीन देखा खड़े ही खड़े। नामित पार्षद आभार जताने के लिए जनप्रतिनिधि के यहां पहुंचे और फिर उन्होंने पैरों को टच नहीं किया बल्कि आभार के स्टाईल को टू मच कर दिया। उन्होंने पहले तीन मिनट लगातार जनप्रतिनिधि के पैरों को विधिवत दबाया और फिर जनप्रतिनिधि को माला पहनाई। इसके बाद फिर लगातार तीन मिनट तक पैर दबाये और फिर कहीं जाकर उन्होंने बधाई दी। सब इस सीन को देखकर हैरान कि नामित जी को रखना चाहिए था अपनी उम्र का ध्यान लेकिन सीन को दूसरे नजरिये से देखने वालों ने कहा कि आप उनके जज्बे को समझो और ईमोशन को पहचानों वरना यहां तो कृपा होने के बाद क्रेडिट भी 4 चेहरों को लोग देने लगते हैं।

अखिलेश यादव की पोस्ट में दिखे फैसल हुसैन, दादरी रैली का पल बना यादगार

गाजियाबाद/दादरी करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी की दादरी में आयोजित समानता भाईचारा रैली की एक तस्वीर इन दिनों सियासी और संगठनात्मक हलकों में चर्चा का विषय बनी हुई है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा अपने फेसबुक पेज पर साझा की गई इस तस्वीर में मंच का दृश्य कैद है, जिसमें बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता नजर आ रहे हैं।

इस तस्वीर को गाजियाबाद सपा के जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन के लिए खास और यादगार इसलिए माना जा रहा है, क्योंकि वे भी इस फ्रेम का हिस्सा बने दिखाई दे रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष की आधिकारिक पोस्ट में अपनी मौजूदगी को लेकर फैसल हुसैन ने भी इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा किया और इसे अपने राजनीतिक जीवन का महत्वपूर्ण पल बताया।

फैसल हुसैन ने अपने साथियों और कार्यकर्ताओं के साथ इस क्षण को खुशी के रूप में साझा करते हुए इसे संगठन के प्रति समर्पण और मेहनत की पहचान बताया। उनके समर्थकों के बीच भी इस तस्वीर को लेकर उत्साह देखा गया, जहां इसे जिले में संगठन की सक्रियता और नेतृत्व की पहचान के रूप में देखा जा रहा है।

दादरी रैली पहले ही अपनी बड़ी भीड़ और राजनीतिक संदेशों को लेकर चर्चा में रही, वहीं अब यह तस्वीर व्यक्तिगत और संगठनात्मक स्तर पर भी यादगार बन गई है।

पार्षद शिल्पा चौधरी के प्रयासों से प्रज्ञा कुंज को मिलेगी नई सड़क

नारियल तोड़कर किया गया सीसी रोड का शिलान्यास

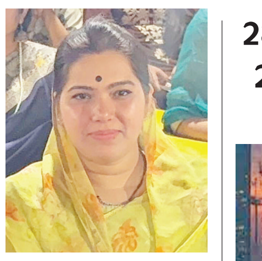

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वसुंधरा वार्ड 71 वार्ड की पार्षद शिल्पा चौधरी के प्रयासों से प्रज्ञा कुंज क्षेत्र के निवासियों की पुरानी मांग पूरी होने जा रही है। रविवार को क्षेत्र में नई सीसी सड़क निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया। पपार्षदप्रतिनिधि आशीष चौधरी ने नारियल तोड़कर और पूजा-अर्चना के साथ विकास कार्य की औपचारिक शुरूआत की।

काफी समय से प्रज्ञा कुंज की मुख्य सड़क जर्जर अवस्था में थी, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। पार्षद द्वारा नगर निगम स्तर पर किए गए निरंतर और अथक प्रयासों के बाद इस सड़क के निर्माण के लिए बजट स्वीकृत हुआ और अब निर्माण कार्य धरातल पर शुरू हो गया है। शिलान्यास के अवसर पर पार्षद शिल्पा चौधरी ने कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में सामग्री की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न किया जाए और कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए ताकि जनता को जल्द राहत मिल सके। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित रहे, जिन्होंने सड़क निर्माण शुरू होने पर पार्षद का आभार व्यक्त किया।

28वीं मंजिल से कूदकर 21 वर्षीय युवती ने की आत्महत्या

नोएडा करंट क्राइम। रविवार को नोएडा में एक 21 वर्षीय युवती ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उसने एक आवासीय सोसाइटी की 28वीं मंजिल से छलांग लगाई।जांच में सामने आया कि मृतका डी ब्लॉक, सेक्टर 32, अमौर सोसाइटी की निवासी थी। वह मूल रूप से बस्ती जिले के मंडरवा गांव की रहने वाली थी। नोएडा पुलिस के अनुसार, सेक्टर-24 पुलिस स्टेशन की एक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने जांच की कार्रवाई पूरी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतका के पिता भी घटनास्थल पर मौजूद थे। मामले में आगे की जांच जारी है।

जेएसएस पब्लिक स्कूल, नोएडा ने वार्षिक खेल सह-सांस्कृतिक दिवस 'उड़ान 2026' मनाया

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 28 मार्च, 2026, नोएडाः जेएसएस पब्लिक स्कूल, नोएडा ने 28 मार्च, 2026 को अपने वार्षिक खेल-सह-सांस्कृतिक दिवस 'उड़ान 2026' को बड़े उत्साह और भव्यता के साथ मनाया। इस आयोजन ने छात्रों की उल्लेखनीय प्रतिभाओं, अनुशासन और सांस्कृतिक जीवंतता को खूबसूरती से प्रदर्शित किया, जिससे यह सभी उपस्थित लोगों के लिए एक यादगार अवसर बन गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ एक शुभ गणेश वंदना के साथ हुआ, जिसमें आयोजन की सफलता के लिए दिव्य आशीर्वाद का आह्वान किया गया। इसके बाद ज्ञान और सकारात्मकता का प्रतीक दीपक प्रज्वलित किया गया। वार्षिक रिपोर्ट सम्मानित प्रधानाचार्य, नैना सिंह द्वारा प्रस्तुत की गई, जिन्होंने शैक्षणिक सत्र के दौरान संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों और मील के पत्थरों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रतिष्ठित मुख्य अतिथि, वाई ए। राजश्री, इंडिया आईटी डोमेन लीड, एलाइट, और विशिष्ट अतिथि, डॉ। एम एस। शशि कुमार, वैज्ञानिक 'ई', विज्ञान और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह में प्रतिष्ठा और प्रेरणा का संचार किया। एक जीवंत मार्च पास्ट ने छात्रों के अनुशासन और एकता को दर्शाया, जिसके बाद मनमोहक प्रदर्शनों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की गई। इनमें ऊर्जावान अभ्यास, एक रंगीन राजस्थानी लोक नृत्य, एक जीवंत खेल नृत्य, प्रभावशाली कराटे प्रदर्शन और रोमांचक स्केटिंग प्रदर्शन शामिल थे। प्रत्येक प्रस्तुति को दर्शकों से उत्साहपूर्ण तालियाँ मिलीं। इस आयोजन का समापन एक शानदार ग्रैंड फिनाले के साथ हुआ, जिसके बाद राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान की भावपूर्ण प्रस्तुति ने वातावरण को गर्व और देशभक्ति से भर दिया। 'उड़ान 2026' वास्तव में छात्रों को आत्मविश्वास, प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के साथ ऊंचाइयों को छूने के लिए एक मंच प्रदान करके अपने नाम पर खरा उतरा, और उत्कृष्टता और उत्सव की एक अविस्मरणीय छाप छोड़ गया।

गाजियाबाद में धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में पुलिस ने धोखाधड़ी के एक मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह मामला 19 अक्टूबर 2025 को सामने आया था, जब फरमान नाम के व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ लोगों ने मिलकर उसे फर्जी प्लॉट बेच दिया।

शिकायत के अनुसार नूरहसन भाटी, अफजल, अरशद, मोइन और नाजिम ने मिलकर साजिश के तहत प्लॉट के नकली कागजात तैयार किए और फरमान को बेच दिया। पैसे लेने के बाद न तो प्लॉट दिया गया और न ही रकम वापस की गई। जब पीड़ित ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी भी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपियों की तलाश में टीम गठित की। इसी क्रम में 28 मार्च 2026 को पुलिस ने आरोपी अफजल (33) को ट्रोनिका सिटी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में अफजल ने बताया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर गांव पावी सादकपुर, तहसील लोनी में मौजूद 100 वर्ग गज के प्लॉट के फर्जी दस्तावेज तैयार कर फरमान को बेचा था।

पुलिस के अनुसार इस मामले में अभी अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और उनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

बाइक सवार को बचाने के चक्कर में डिवाइडर से टकराकर पलटी कार

हापुड़ करंट क्राइम। थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाइक सवार युवक को बचाने के चक्कर में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराते हुए सड़क पर पलट गई। हादसे में आठ माह के मासूम समेत तीन लोग घायल हो गए। जिनका उपचार कराया जा रहा है।

जनपद अमरोहा निवासी रामवीर और कुसुम आठ माह के बच्चे को लेकर दिल्ली के एम्स में चेकअप कराने के लिए गए थे। जो शनिवार को कार से अमरोहा लौट रहे थे। कार को चालक राजवीर चला रहे थे। जैसे ही उनकी कार क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर लकी ढाबे के सामने पहुंची, तभी अचानक आगे चल रहे युवक ने अपनी बाइक के ब्रेक लगा दिए। युवक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने पर चालक राजवीर ने उसे बचाने का प्रयास किया। जिससे राजवीर कार से नियंत्रण खो बैठे। इस कारण कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस बीच वहां से गुजर रहे सेवानिवृत्त डीएसपी विजय प्रताप सिंह ने मानवता का परिचय देते हुए घायलों को अपनी कार से तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार कराया गया। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि सभी घायलों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। थाना पुलिस का कहना है कि घायलों का उपचार जारी है। वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच की जा रही है।

तस्कर गिरफ्तार, 30 पव्वे देशी शराब बरामद

हापुड़ करंट क्राइम। सीओ स्तुति सिंह ने बताया कि बहादुरगढ़ पुलिस शुक्रवार की रात क्षेत्र में गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान बहादुरगढ़-चांदनेर मार्ग पर सामने से एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। जिसने पुलिस कर्मियों को देखकर भागने की कोशिश की। संदेह होने पर पुलिस टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद थैले में 30 पव्वे देशी शराब बरामद हुई। आरोपी ने अपना नाम शाहरूख निवासी गांव वैरा फिरोजपुर जनपद बुलंदशहर बताया है। शराब को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गाजियाबाद में 'एजुकेटर्स मीट 2026' का आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गाजियाबाद में शनिवार को 'एजुकेटर्स मीट 2026' का सफल एवं भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए 350 से अधिक प्रिंसिपल एवं शिक्षकों को शिक्षा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 2:35 बजे अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ, जिसके पश्चात दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर (एडमिन) श्री पीयूष श्रीवास्तव जी ने शिक्षकों की भूमिका को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो। (डॉ।) परसंजीत कुमार ने शिक्षण में गुणवत्ता, नवाचार एवं तकनीकी समावेशन पर अपने विचार साझा किए एवं विश्वविद्यालय द्वारा उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु किए जा रहे प्रयासों एवं पहलों को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने यह भी कहा कि सही शिक्षा प्रदान करना राष्ट्र सेवा के समान है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ। राजीव रतन द्वारा संदेश प्रस्तुत किया गया, जिसमें संस्थान की उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं का उल्लेख किया गया।

कार्यक्रम के दौरान एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गाजियाबाद की विकास यात्रा एवं विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर एक प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई। यह आयोजन शिक्षा के क्षेत्र में संवाद, सहयोग एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा नेता रिजवान खान मीर ने स्वागत, श्रद्धा और आस्था के संदेश को अपनी इस पोस्ट के साथ साझा किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने पर पंकज चौधरी का रिजवान खान मीर ने स्वागत किया। स्वागत की इस तस्वीर को एक संदेश के साथ उन्होंने अपनी फेसबुक पोस्ट बनाया। सम्मान, आस्था और रिश्तों का एक संदेश देती ये पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

अमेरिका-इस्राइल के खिलाफ जंग में महीनेभर से खड़ा है ईरान

➪ संघर्ष के तीसरे हफ्ते तक उन्होंने अमेरिका को इस जंग में जीता भी घोषित कर दिया
➪ अमेरिका-इस्राइल की तरफ से ईरान के खिलाफ शुरू किए गए युद्ध को अब चार हफ्ते हो गए हैं

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में संघर्ष को अब एक महीना पूरा हो चुका है। इस बीच अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं। लेकिन उनके संयुक्त अभियान के बावजूद तेहरान ने अब तक युद्ध में न सिर्फ अपना बचाव किया है, बल्कि पलटवार भी किए हैं। ईरान की इस रणनीति में रूस और चीन ने भी अहम भूमिका निभाई है। जहां रूस ने ईरान को जरूरी खुफिया जानकारी दी है, तो वहीं चीन ने ईरान को तकनीकी और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी मदद पहुंचाई है। अमेरिका-इस्राइल की तरफ से ईरान के खिलाफ शुरू किए गए युद्ध को अब चार हफ्ते हो गए हैं। जहां पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दावा कर रहे थे कि अमेरिकी सेना की ताकत के आगे ईरान नहीं टिक पाएगा और यह युद्ध एक हफ्ते या कुछ और दिनों में खत्म हो जाएगा, तो वहीं संघर्ष के तीसरे हफ्ते तक उन्होंने अमेरिका को इस जंग में जीता भी घोषित कर दिया। हालांकि, अब कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ट्रंप ने रक्षा मंत्रालय के अपने शीर्ष अधिकारियों से साफ कर दिया है कि इस युद्ध को जितना जल्दी हो सके, खत्म करने का रास्ता देखना चाहिए।

जहां अमेरिकी राष्ट्रपति के बदलते बयानों को लेकर दुनियाभर में यह चर्चाएं हैं कि अमेरिका का इस संघर्ष में लक्ष्य तय नहीं था, तो वहीं विश्लेषकों ने ईरान की सैन्य क्षमताओं और अमेरिका-इस्राइल जैसे दो शक्तिशाली देशों के खिलाफ खड़े रहने की क्षमताओं पर भी चर्चा की है।

ईरान किस तरह अमेरिका और इस्राइल के सैन्य अभियानों के खिलाफ संघर्ष में बीते चार हफ्तों से टिका हुआ है? क्यों ट्रंप के ईरान को नेस्तनाबूत कर देने जैसे दावों के बावजूद अमेरिका अब तक अपने लक्ष्यों में सफल नहीं हो सका है? इस संघर्ष में किस तरह रूस और चीन ने ईरान को मदद पहुंचाई है?

1. दोहरी सैन्य संरचना

पश्चिम एशिया मामलों के खुफिया विशेषज्ञ डैनी सिट्रिनोविट्ज ने अमेरिकी मीडिया ग्रुप फॉक्स न्यूज को बताया कि ईरान की सेना को जानबूझकर दो हिस्सों में बांटा गया है, ताकि वह अलग-अलग स्तरों पर काम कर के ईरान की सैन्य व्यवस्था को किसी भी संकट से निकाल सके। उन्होंने बताया कि ईरान के पास एक पारंपरिक सैन्य बल- आर्तेश हैं, जो कि देश की सीमाओं की दुश्मनों से सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। वहीं, दूसरा हिस्सा इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) है जो कि सैन्य बलों का सबसे शक्तिशाली और वैचारिक हिस्सा है। इसे मुख्य तौर पर ईरानी शासन की रक्षा के लिए तैयार किया गया है। इसके पास पारंपरिक सेना से बेहतर बजट व हथियार हैं। डैनी ने कहा कि ईरानी जमीनी सेना ने अब तक सीधे युद्ध में शामिल होने से परहेज किया है, जिससे उनके सैनिक काफी हद तक सुरक्षित और ताकतवर बने हुए हैं।

2. मिसाइल और ड्रोन की विशाल क्षमता

मिसाइल कार्यक्रम ईरानी सैन्य शक्ति की रीढ़ है। यूं तो अमेरिका का दावा है कि युद्ध के दौरान ईरान की मिसाइल लॉन्च करने की क्षमता में 80% से अधिक की गिरावट आई है, फिर भी उनके पास अभी भी लगभग एक तिहाई क्षमता बची हुई है। यह बची हुई क्षमता पूरे क्षेत्र में कई हफ्तों तक हमले जारी रखने के लिए पर्याप्त है। अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट के विश्लेषक निकोलस कार्ल के मुताबिक, वर्तमान स्थिति एक मिली-जुली तस्वीर पेश करती है। एक तरफ ईरान की सैन्य क्षमता काफी हद तक कमजोर हो गई है, लेकिन शासन के पास अभी भी (हमले करने की) ताकत बची हुई है।

3. दुश्मन की मुश्किलें बढ़ाने की रणनीति

डैनी सिट्रिनोविट्ज के मुताबिक, ईरान की नौसेना बड़े युद्धपोतों पर निर्भर नहीं है। इसके बजाय, वे होर्मुज जलडमरूमध्य में वैश्विक व्यापार को बाधित करने के लिए स्पीडबोट, ड्रोन, समुद्री खदानों और सतह से समुद्र में मार करने वाली मिसाइलों का इस्तेमाल करते हैं। इससे वे बड़ी नौसेना के बिना भी समुद्री रास्ते को रोक सकते हैं। निकोलस कार्ल का कहना है कि यह कहना तकनीकी रूप से सही नहीं है कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह बंद कर दिया है। इसके बजाय ईरान चुनिंदा रूप से पहुंच को रोक रहा है। वह कुछ जहाजों पर फायरिंग कर रहा है जबकि अन्य को गुजरने दे रहा है। अपने इन कदमों के जरिए ईरान जहां अपने मित्र देशों को सुरक्षित रास्ता दे रहा है, वहीं अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए मुश्किलें बढ़ा रहा है, जो कि ट्रंप पर अप्रत्यक्ष तौर पर दबाव बना रहे हैं।

विदेशी मेहमानों के स्वागत में रेड कार्पेट पर फिसले पाकिस्तानी विदेश मंत्री डार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार रेड कार्पेट पर फिसल गए। सऊदी और मिस्त्र के मंत्रियों का स्वागत करते समय यह हादसा हुआ। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार के साथ एक अनएक्सपेक्टेड और हास्यास्पद पल सामने आया। विदेश मंत्री जब सऊदी अरब और मिस्त्र के विदेशी मेहमानों का स्वागत कर रहे थे, तभी वह रेड कार्पेट पर फिसलकर गिर गए। घटना के दौरान उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और यूजर्स के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि डार जैसे ही विदेशी मेहमानों की ओर बढ़ते हैं, अचानक संतुलन खो देते हैं और जमीन पर गिर जाते हैं। घटना के तुरंत बाद डिप्टी पीएम ने संभलते हुए स्वागत समारोह जारी रखा और सभी मेहमानों का सम्मानपूर्वक अभिवादन किया।

ईरान युद्ध के बीच शांति स्थापित करने की पहल: हाल ही में ईरान युद्ध से उत्पन्न तनाव का असर वैश्विक स्तर पर महसूस किया जा रहा है। पेट्रोल और गैस की बढ़ती कीमतों ने आम जनता और सरकारों दोनों की चिंता बढ़ा दी है।

ऐसे में कई देश इस स्थिति को स्थिर करने के प्रयास में जुटे हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान ने खुद को शांति स्थापित करने वाला देश साबित करने की कोशिश की। इस उद्देश्य से इस्लामाबाद में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सऊदी अरब, तुर्की और मिस्त्र के विदेश मंत्री शामिल हुए।

ईरानी मिसाइलों से थरार्या अमेरिकी एयरबेस

AWACS एयरक्राफ्ट को मार गिराया, वीडियो में दिखे कबाड़ बने प्लेन

तेहरान। ईरान ने सऊदी अरब स्थित अमेरिकी एयरबेस पर मिसाइलों और ड्रोन से बड़ा हमला किया है। इस हमले में अमेरिकी विमान 'ए-3 अहअउर' पूरी तरह तबाह हो गया है। ईरान ने दावा किया है कि इस हमले में 10 अमेरिकी सैनिक भी घायल हुए हैं। दोनों देशों के बीच एक महीने से जारी इस युद्ध में अब तक भारी तबाही हो चुकी है।

पश्चिम एशिया से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। पिछले एक महीने से जारी भीषण जंग के बीच ईरान ने सऊदी अरब में मौजूद अमेरिकी एयरबेस को निशाना बनाया है। ईरान ने दावा किया है कि इस हमले में अमेरिका के कई विमान तबाह हुए हैं। ईरानी मीडिया के मुताबिक, इस हमले में 6 बैलिस्टिक मिसाइलों और 29 खतरनाक ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। सबसे हैरत की बात यह है कि इस हमले में वहां तैनात अमेरिका का सबसे आधुनिक कमांड एंड कंट्रोल विमान 'ए-3 अहअउर' मलबे के ढेर में तब्दील हो गया है।

दावा करते हुए ईरान ने कुछ तस्वीरें भी जारी की हैं। तस्वीरों में दिख रहा है कि विशालकाय विमान का बीच का पूरा हिस्सा उड़ चुका है। इसके अलावा, विमानों में ईंधन भरने वाले रिफ्यूलिंग विमानों को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

कई अमेरिकी सैनिक घायल

ईरान का दावा है कि बदले की इस कार्रवाई में कम से कम 10 अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं। वहीं, दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने अभी तक आधिकारिक तौर पर इस हमले पर खुलकर कोई बयान जारी नहीं किया है।

पूरे पश्चिम एशिया में फैल रही है जंग की आग

28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के खिलाफ मोर्चा खोला था। इसके बाद से ही सऊदी अरब स्थित प्रिंस सुल्तान एयरबेस लगातार ईरान के निशाने पर रहा है। ईरान का दावा है कि उसने अमेरिका के एक टद-9 रीपर ड्रोन को भी मार गिराया है और एक लड़ाकू विमान को नुकसान पहुंचाया है। बताते चलें कि यह युद्ध अब तीन देशों तक सीमित नहीं रहा है। यमन के हूती बागियों ने भी इस्राइल पर मिसाइलें दाग दी हैं। वहीं, इस खूनी खेल में आम जनता बहुत बुरी तरह पिस रही है। कुछ दिन पहले ही मिनाब में एक गर्ल्स स्कूल पर मिसाइल गिरने से करीब 168 मासूम बच्चियों की मौत हो गई थी।

गोली नहीं, बोली से निकलेगा रास्ता: पेशावर में 31 मार्च को 'शांति जिरगा', पाक-अफगान रिश्तों पर होगा मंथन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए पेशावर में 'शांति जिरगा' बुलाई गई है। इसमें दोनों देशों के कबीलाई बुजुर्ग, नेता और सामाजिक कार्यकर्ता जुटेंगे। जिरगा का मकसद दोनों हुकूमतों पर बातचीत का दबाव बनाना है, जिससे सरहद पर जारी हिंसक टकराव को रोका जा सके।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हाल के दिनों में खूब बारूदी तनातनी देखने को मिली है। इस वजह से सरहद के दोनों तरफ रहने वाले आम नागरिकों को काफी परेशानी हो रही है। सीमा पर जारी हवाई हमलों, गोलाबारी और दोनों तरफ से लग रहे गंभीर आरोप-प्रत्यारोप के बीच अब दोनों देशों की अवाम ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। इसी सिलसिले में 31 मार्च को खैबर पख्तूनख्वा की राजधानी पेशावर में 'शांति जिरगा' का आयोजन होने जा रहा है।

अरबाब शहजाद खान करेंगे अगुवाई

अब आपके मन में सवाल उठ रहा होगा कि आखिर इसकी कमान कौन संभालने वाला है? दरअसल, इस बड़े सम्मेलन की अगुवाई खैबर पख्तूनख्वा के पूर्व मुख्य सचिव अरबाब शहजाद खान कर रहे हैं। अरबाब शहजाद 'एस्पायर खैबर पख्तूनख्वा' नाम की संस्था के प्रमुख भी हैं। उनकी यह संस्था 'कौमी इस्लाही तहरीक' के साथ मिलकर इस जिरगा का आयोजन कर रही है।

अरबाब शहजाद खान ने कहा कि जंग किसी भी मसले का हल नहीं है। बंदूक की गोली सिर्फ तबाही लाती है। सभी विवादों का हल केवल और केवल आपसी बातचीत के जरिए ही निकाला जाना चाहिए।

जिरगा में कौन-कौन होगा शामिल?

इस शांति जिरगा में दोनों देशों के जाने-माने नेता और कबीलाई बुजुर्ग, उलेमा और धार्मिक विद्वान, सिविल सोसाइटी के सदस्य, बड़े कारोबारी और मीडिया से जुड़े लोग शामिल होंगे। इसके अलावा, पाकिस्तान में रह रहे अफगान नागरिक भी इस बैठक में अपनी आवाज बुलंद करेंगे। आयोजकों ने उन तमाम कद्दावर नेताओं को भी न्योता भेजा है, जो अतीत में दोनों देशों के बीच बिगड़ते रिश्तों को संभालने में अपना अहम योगदान दे चुके हैं। जिरगा का मकसद दोनों देशों के हुक्मरानों से यह अपील करना है कि वे तनाव को कम करें और दोस्ती का हाथ बढ़ाएं। अरबाब का कहना है कि हमारी कोशिश है कि दोनों देशों के बीच अमन-चैन और बातचीत का सिलसिला दोबारा शुरू हो सके।

चीन के ताइयुआन की बहुमंजिला इमारत में लगी आग, 3 लोगों की मौत

संघाई। उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत में एक इमारत में भीषण आग लग गई। यह हादसा ताइयुआन शहर के किनशियान नॉर्थ स्ट्रीट के पास हुआ। इस घटना में तीन लोगों की जान चली गई और 23 लोग घायल हुए हैं। घायलों में से नौ की हालत बहुत गंभीर बताई जा रही है। आग शनिवार रात करीब 8 बजे लगी। सूचना मिलते ही फायर और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंच गईं। जिस इमारत में आग लगी, उसमें एक होटल भी था। आग बिल्डिंग के पूर्वी हिस्से से शुरू हुई और तेजी से बाहरी दीवारों पर फैल गई। इस वजह से पूरी बिल्डिंग को भारी नुकसान पहुंचा है।

आग इतनी भयानक थी कि रास्ते के पास बनी कई दुकानें जलकर राख हो गईं। साथ ही दुकानों के बाहर खड़ी इलेक्ट्रिक साइकिलें भी जल गईं। सड़क पर हर तरफ जला हुआ मलबा और एल्युमिनियम पैनल के हिस्से बिखरे नजर आए। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, बचाव दल ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल बिल्डिंग के अंदर सर्च ऑपरेशन चल रहा है। प्रशासन ने आग लगने के असली कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

ईंधन संकट के बीच भारत की मदद से श्रीलंका को राहत

राष्ट्रपति दिसानायके ने पीएम मोदी का जताया आभार

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने रविवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह आभार भारत द्वारा भेजे गए एक महत्वपूर्ण तेल शिपमेंट के लिए जताया। यह तेल शिपमेंट कुल 38,000 मीट्रिक टन ईंधन का था। इस विशाल शिपमेंट में 20,000 मीट्रिक टन डीजल शामिल था।

ईंधन आपूर्ति की दिक्कत से जूझ रहे श्रीलंका की पुकार पर भारत ने तुरंत मदद का हाथ बढ़ाया। भारत सरकार के इस सकारात्मक रुख पर श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने आभार जताया है।

दिसानायके ने पीएम मोदी को दिया धन्यवाद

श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी बात हुई थी। इस बातचीत में उन्होंने (दिसानायके) मिडिल ईस्ट संघर्ष के कारण श्रीलंका को हो रही फ्यूल सप्लाई में आ रही रुकावटों को बयां किया था।

उन्होंने लिखा कि भारत ने तुरंत मदद का हाथ बढ़ाया और इसके लिए मैं उनका शुक्रगुजार हूं। शनिवार को कोलंबो में 38,000 एमटी फ्यूल पहुंचा। दिसानायके ने मौजूदा संकट काल में विदेश मंत्री एस जयशंकर के पूर्ण सहयोग का भी जिक्र करते हुए उनका धन्यवाद किया है।

पूर्व मंत्री और श्रीलंका पोदुजना पेरामुना (एसएलपीपी) के सांसद नमल राजपक्षे ने भी एक्स पोस्ट के जरिए भारत को शुक्रिया कहा। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा की तरह अपना पड़ोसी धर्म पूरी शिद्दत से निभाया। उन्होंने भी एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के लोगों ने एक बार फिर श्रीलंका को 38,000 एमटी पेट्रोलियम की समय पर शिपमेंट के जरिए 'नेबरहुड फर्स्ट' पॉलिसी को बनाए रखा है। उन्होंने कहा, भारत हमेशा संकट के समय श्रीलंका के लिए सबसे पहले खड़ा रहा है, जरूरी सप्लाई से लेकर आर्थिक मदद तक, जो उसकी नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी की सच्ची झलक है।

श्रीलंकाई नेताओं ने जताया आभार

वहीं सांसद और श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) पार्टी के राष्ट्रीय आयोजक और पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे नमल राजपक्षे ने श्रीलंकाई सरकार को फ्यूल टैक्स एडजस्टमेंट जैसे मॉडल पर काम करने की सलाह दी। उन्होंने भारत की नीतियों की जमकर सराहना की। नमल राजपक्षे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ₹प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के लोगों ने एक बार फिर श्रीलंका को 38,000 टन पेट्रोलियम की समय पर शिपमेंट करके नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी को बनाए रखा है। भारत हमेशा संकट के समय में श्रीलंका के लिए सबसे पहले खड़ा रहा है। जरूरी सप्लाई से लेकर आर्थिक मदद तक, जो उसकी नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी की सच्ची झलक है। एक क्षेत्र के तौर पर यह जरूरी है कि देश क्षेत्र की बेहतरी के लिए रणनीतिक साझेदार के तौर पर मिलकर काम करें। उन्होंने श्रीलंकाई सरकार से भारत का मॉडल अपनाने की सलाह दी और कहा कि हम श्रीलंका सरकार से अपील करते हैं कि वह भारत के हालिया फ्यूल टैक्स एडजस्टमेंट जैसे मॉडल पर विचार करे। भारत ने एक्साइज ड्यूटी इसलिए कम नहीं की, ताकि कीमतें तुरंत कम हों, बल्कि मार्केट को स्थिर करने और ग्लोबल तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव के दौरान और बढ़ोतरी को रोकने के लिए ऐसा किया।

क्यूबा विदेश मंत्री ने ईंधन नाकेबंदी को लेकर यूएस पर निशाना साधा

हवाना। अमेरिका द्वारा क्यूबा की आर्थिक नाकेबंदी की क्यूबा की सरकार ने कड़ी निंदा की है। क्यूबा के विदेश मंत्री ने कहा कि ये क्यूबा को आर्थिक तौर पर कमजोर करने की कोशिश है। संयुक्त राष्ट्र ने भी क्यूबा की आर्थिक नाकेबंदी पर चिंता जाहिर की है।

क्यूबा और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। क्यूबा ने अमेरिका पर ईंधन आपूर्ति को लेकर झूठ बोलने का गंभीर आरोप लगाया है। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज पैरिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि अमेरिका के दावे उसकी अपनी नीतियों और आदेशों से मेल नहीं खाते। उन्होंने 29 जनवरी के एक कार्यकारी आदेश और उसके बाद उठाए गए कदमों का हवाला देते हुए कहा कि यह क्यूबा पर निर्मम ईंधन नाकाबंदी है।

रोड्रिगेज के मुताबिक, अमेरिका न सिर्फ क्यूबा को तेल देने वाले देशों और कंपनियों को प्रतिबंध की धमकी दे रहा है, बल्कि तेल टैंकरों को भी निशाना बना रहा है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन की नीति का मकसद क्यूबा की अर्थव्यवस्था को कमजोर करना, विकास रोकना, आय के स्रोत खत्म करना और बाजार व तकनीक तक उसकी पहुंच सीमित करना है।

दरअसल, क्यूबा दशकों से अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, जिसके चलते देश गंभीर आर्थिक और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने भी चेतावनी दी है कि ईंधन की भारी कमी क्यूबा को मानवीय संकट की ओर धकेल रही है।

ट्रंप की बढ़ी टेंशन, उत्तर कोरिया ने अमेरिका तक मार करने वाले मिसाइल इंजन का किया परीक्षण

सियोल। उत्तर कोरिया ने एक नए हाई-थ्रस्ट सॉलिड-फ्यूल मिसाइल इंजन का परीक्षण किया है। नेता किम जोंग उन ने इसे देश की सैन्य क्षमता बढ़ाने की दिशा में अहम बताया। यह परीक्षण उत्तर कोरिया की मारक क्षमता बढ़ाने की कोशिशों का हिस्सा है।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक नए और शक्तिशाली मिसाइल इंजन के परीक्षण का जायजा लिया। सरकारी मीडिया ने रविवार को इसकी जानकारी दी। यह इंजन एक अपग्रेडेड, हाई-थ्रस्ट, सॉलिड-फ्यूल पर आधारित है और इसकी ताकत पहले से कहीं ज्यादा है। किम जोंग उन ने इसे देश की सैन्य शक्ति बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। इस परीक्षण का मकसद ऐसी मिसाइलें बनाना है जो अमेरिका और उसके सहयोगियों को निशाना बना सकें। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन मिसाइलों को पहचानना और रोकना बहुत मुश्किल है।

रिपोर्ट्स में किया गया दावा

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, यह इंजन कार्बन फाइबर से बना है। इस इंजन की अधिकतम ताकत 2,500 किलोटन मापी गई है। इससे पहले सितंबर में हुए परीक्षण में यह ताकत 1,970 किलोटन थी। यह टेस्ट देश के पांच साल के हथियार विकास कार्यक्रम का हिस्सा है। इसका लक्ष्य परमाणु क्षमता वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को और आधुनिक बनाना है। किम जोंग उन ने कहा कि इस टेस्ट से देश की रणनीतिक ताकत सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। हालांकि, यह टेस्ट कब और कहां हुआ, इसकी सटीक जानकारी नहीं दी गई है।

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर कोरिया के दावे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए हो सकते हैं। दक्षिण कोरिया के एक शोधकर्ता ली चुन ग्यून ने कहा कि उत्तर कोरिया इसमें कुछ बातें छिपा रहा है।

अमेरिका की रक्षा तंत्र के लिए खतरा

विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के इस कार्यक्रम में कुछ देरी हो रही है। यह भी संभव है कि वह रूस की तकनीकी मदद से बेहतर इंजन बना रहा हो। हाल के समय में रूस और उत्तर कोरिया के बीच संबंध गहरे हुए हैं। उत्तर कोरिया ने यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद के लिए अपने सैनिक और हथियार भी भेजे हैं। ठोस ईंधन वाले इंजन से उत्तर कोरिया छोटी मिसाइलें भी बना सकता है। इन्हें पनडुब्बियों या मोबाइल ट्रकों से लॉन्च करना आसान होगा। जो कि अमेरिका के रक्षा तंत्र के लिए खतरा बढ़ाएगा।

ईरान ने स्कूल पर हमले के लिए यूएस के अधिकारियों को ठहराया जिम्मेदार

तेहरान। मिनाब स्कूल हमले के लिए ईरान ने अमेरिकी नौसेना के दो अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया है। ईरान ने इन अधिकारियों की तस्वीर जारी करते हुए कहा कि इन दोनों अपराधियों को पहचान लीजिए, इनके आदेश पर ही 168 बेकसूर बच्चों की जान गई थी। ईरान ने इसके लिए सीधे-सीधे अमेरिकी नौसेना के अधिकारियों पर निशाना साधा है।

मिनाब के 'शजरे तैयबा' गर्ल्स स्कूल पर हमले के लिए ईरान ने दो अमेरिकी अधिकारियों को आतंकी घोषित किया है। भारत में ईरानी दूतावास ने एक्स पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने अमेरिकी नौसेना के दो अधिकारी की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ₹इन दो अपराधियों को याद रखें। कमांडर ली आर टेट और कार्यकारी अधिकारी जेफरी ई यॉर्क। इन्होंने तीन बार टोमाहॉक मिसाइलें दागने का आदेश दिया था, जिससे मिनाब के एक स्कूल में 168 बेकसूर बच्चों की जान चली गई थी। वैसे तो इतिहास की किताबों में विवादों के न जाने कितने काले पन्ने दर्ज हैं, लेकिन पिछले दिनों ईरान के मीनाब शहर ने जो मंजर देखा, उसने इंसानियत को हमेशा-हमेशा के लिए शर्मसार कर दिया है। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरानी शहर मीनाब के 'शजरे तैयबा' गर्ल्स स्कूल पर एक नहीं, दो नहीं, बल्कि लगातार तीन टॉमहॉक मिसाइलें दागी गईं। इस भीषण हमले में 168 मासूम स्कूली बच्चियों के चीथड़े उड़ गए। पूरा स्कूल परिसर देखते ही देखते मलबे में तब्दील हो गया।

इस हमले की सबसे भयावह बात यह है कि इसमें 'ट्रिपल टैप' का इस्तेमाल किया गया। आंकड़ों से साफ हुआ है कि पहली मिसाइल गिरने के बाद जब चीख-पुकार मची और स्थानीय लोग व बचाव दल मलबे से बच्चों को निकालने के लिए दौड़े, ठीक उसी वक्त दूसरी और फिर तीसरी मिसाइल दागी गई। इस रणनीति का मकसद केवल तबाही मचाना नहीं, बल्कि मदद के लिए पहुंचने वाले लोगों को भी खत्म करना होता है।

ईरान ने इस घटना के बाद सीधे तौर पर अमेरिकी नौसेना के दो अधिकारियों को कटघरे में खड़ा किया है। ईरान की ओर से दावा किया गया है कि बतौर कमांडिंग ऑफिसर लेह आर टेट ने टॉमहॉक मिसाइलों को लॉन्च करने का आदेश दिया था। वहीं, कार्यकारी अधिकारी जेफरी ई यॉर्क ने इस पूरे घातक ऑपरेशन की योजना बनाई थी। ईरान ने अब दोनों अधिकारियों की तस्वीर साझा करते हुए इन्हें 'युद्ध अपराधी' करार दिया है।

अमेरिका की सफाई

हमले के बाद अमेरिकी सेना ने कहा कि लक्ष्य निर्धारण में चूक हुई है। दलील दी गई कि पुरानी खुफिया जानकारी के आधार पर सेना को लगा कि यह स्कूल परिसर दरअसल ईरान की सेना का बेस है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस पूरे मामले को सिरे से खारिज कर दिया।

युद्ध से वैश्विक शिपिंग और तेल सप्लाई पर मंडराया खतरा

दुबई। पश्चिम एशिया में युद्ध अब और गंभीर होता जा रहा है। ईरान समर्थित हूती विद्रोही शामिल होने से तेल, गैस सप्लाई और वैश्विक व्यापार पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। क्या इस संघर्ष से अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा और बाजार स्थिरता भी प्रभावित होगी?

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध अब और जटिल होता जा रहा है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के इस संघर्ष में शामिल होने से वैश्विक व्यापार, तेल सप्लाई और समुद्री सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। ईरान समर्थित हूती समूह ने दावा किया है कि उन्होंने इस्राइल पर मिसाइल हमले किए हैं।

अपने शहर के ई-पेपर, सभी ताजा खबरें और ऐड फ्री अनुभव के लिए अमर उजाला प्रीमियम सब्सक्राइब करें

अपने शहर के ई-पेपर, सभी ताजा खबरें और ऐड फ्री अनुभव के लिए अमर उजाला प्रीमियम सब्सक्राइब करें

इस घटनाक्रम के साथ ही युद्ध को एक महीना पूरा हो चुका है और अब यह संघर्ष क्षेत्रीय से वैश्विक असर दिखाने लगा है।

100 गाड़ियों के काफिले को रामदुलार यादव ने किया झंडी दिखाकर रवाना

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की दादरी रैली को सफल बनाने के लिए जनपद गाजियाबाद से कार्यकर्ताओं के पार्टी का झंडा दिखाकर कर रवाना करते शिक्षाविद राम दुलार यादव। जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन और महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव एडवोकेट के नेतृत्व में हजारों की संख्या में समाजवादियों ने रैली में शिरकत की।

साहिबाबाद विधानसभा शिविर कार्यालय पर सुबह से ही कार्यकर्ताओं का जमावड़ा शुरू हो गया था। यहाँ से 100 से अधिक गाड़ियों के विशाल काफिले को समाजवादी चिंतक एवं शिक्षाविद राम दुलार यादव ने पार्टी का झंडा दिखाकर रवाना किया। इस दौरान 'समाजवादी पार्टी जिंदाबाद' के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

2027 में सत्ता परिवर्तन का आह्वान

करंट क्राइम। काफिले को रवाना करते हुए राम दुलार यादव ने कहा कि आज देश में लूट, झूठ और भ्रष्टाचार चरम पर है। वर्तमान सरकार पूरी तरह विफल हो चुकी है और जनता त्रस्त है। उन्होंने पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक, कमजोर सवर्ण, व्यापारी, छात्र और युवाओं से गोलबंद होने की अपील करते हुए कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश की सत्ता से वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकने की जिम्मेदारी समाजवादियों पर है। हमें पूरी ईमानदारी से जनता के बीच जाकर उनकी सेवा करनी होगी। इस अवसर पर सरदार अवतार सिंह काले, वरिष्ठ नेता राम प्यारे यादव, विक्की ठाकुर, अंशु ठाकुर, अवधेश यादव, पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष कमलेश यादव और महिला सभा की महानगर अध्यक्ष किरन कालिया ने मुख्य रूप से भाग लिया। इसके साथ ही प्रताप पाल, चिंतामणि यादव, इंजीनियर धीरेन्द्र यादव, उर्मिला पटेल, धर्मवती, शिशिर यादव, कृष्णानंद, मोहम्मद आसिफ, संतोष सिंह, सद्दाम हुसैन और मोहम्मद सलाम सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गाजियाबाद से दादरी रैली में शामिल हुए।

प्रशासन ने प्रदूषण बढ़ाने वाली 14 और फैक्टरी सील की, कनेक्शन भी काटे गए

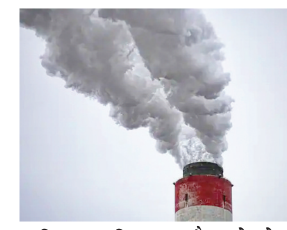

लोनी करंट क्राइम। प्रदूषण बढ़ाने वाली फैक्टरियों के खिलाफ जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का शनिवार को भी डंडा चला। अधिकारियों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए 14 फैक्टरियों को सील कर दिया। इन सभी फैक्टरियों के बिजली कनेक्शन भी कटवा दिए है। यह कार्रवाई लोनी के कृष्णा विहार फेस-तीन स्थित फैक्टरियों पर कार्रवाई की। अमर उजाला की खबर प्रकाशित होने के बाद से संज्ञान लेते हुए अधिकारियों ने कार्रवाई की है।

दरअसल, जिले में 500 से अधिक फैक्टरियां अवैध रूप से चल रही है और इनका पंजीकरण तक नहीं है। इन्हीं फैक्टरियों में सबसे अधिक प्रदूषण होता है। यहां पर जींस पर रंगाई और लोहे की ढलाई समेत अन्य कार्य किए जाते है। इनसे बहुतायत में प्रदूषण होता है। इस तरह की फैक्टरियों के कारण ही लोनी जिले और प्रदेश में ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर भी सबसे अधिक प्रदूषित रहा है। इसे लेकर अमर उजाला ने खबर प्रकाशित की तो अधिकारियों ने संज्ञान लिया। अब तक दो दर्जन से अधिक फैक्टरियों पर अधिकारी कार्रवाई कर चुके हैं।

जिलाधिकारी के निर्देश पर नायब तहसीलदार लोनी रति गुप्ता ने शनिवार को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, विद्युत निगम व नगर पालिका परिषद और पुलिस के साथ संयुक्त रूप से बार्डर थाना क्षेत्र में कार्रवाई की। नायब तहसीलदार ने बताया कि कृष्णा विहार फेस तीन में अवैध रूप से संचालित की जा रही 14 ढलाई की की फैक्टरी पर कार्रवाई करते हुए सील किया गया और विद्युत कनेक्शन भी काटे गए।

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं आपको बात बता रहा हूं नदिया पार की निराली? चल रहा था प्रशिक्षण शिविर? वहां पर भगवा यादव जी ने बजा दी गढ़वाली भैया के सामने समाजवादी के पक्ष में ताली? सुना है यादव जी के शब्द सुनकर गढ़वाली भैया हो गये बहुत ज्यादा नाराज? भगवा पटके के नीचे उनको समझ नहीं आया ये वाला समाजवादी? सुना है दोनों के बीच में हो गई शब्दों वाली लड़ाई? फंक्शन किसी का, और यादव जी चढ़ा रहे थे किसी और की कढ़ाई?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ के नदिया पार वाले दो मैम्बर बिल्कुल भी अपने इरादों से नहीं हुए टस से मस? पता चला है दोनों में से कोई भी नहीं लेकर गया पीएम की रैली में एक भी बस? कहने वाले ने कहा कि दोनों को शायद हो गया है कोई बड़ा गुमान? इन दोनों को लगता है कि इनका टिकट कोई नहीं काट सकता है श्रीमान? कहने वाले ने कहा फिर भी करने वालों ने कर लिया है इनका नाम नोट? समय आने पर मारी जायेगी इन सभी को चोट?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि आपके भंडारे में किये हमने गजब के दीदार? इधर से हो रही थी हैवीवेट एन्ट्री? उधर से उनके प्रिय सुधीर दिल में दर्द-ए-डिस्को लेकर जा रहे थे बाहर? जैसे ही दोनों का हुआ आमना-सामना? हम करने लगे यहां पर कुछ मसाले की कामना? हमें लगा प्रिय सुधीर खुलकर प्रकट करेंगे अपना दर्द? इधर हैवीवेट वालों ने हाल चाल पूछे? उधर सुधीर भैया ने दोनों हाथ जोड़कर निभाया अपना फर्ज? शायद उनका दिल गा रहा था यही वाला गाना? अच्छा सिला दिया तुमने मेरे प्यार का? बस हाथ जोड़कर ही रह गया है अब अपने अंदाज को प्रकट कर पाना?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि बड़े-बड़े शहरों में होती है छोटी छोटी बात? कुछ ऐसे ही एक पार्टी कार्यालय पर घटे घटनाक्रम की मैं बता रहा हूं आपको बात? हमने देखा यहां पर त्यागी जी पूरी शिद्दत से बांट रहे थे फोन पर कार्यकर्ताओं को काम? तभी यहां पर किसी बड़े चेहरे की एन्ट्री हो गई? उन्होंने इनसे पूछा आप यहां पर क्यों और किसलिए हैं विराजमान? त्यागी जी ने कहा मुझे वेस्ट से मिली है ये जिम्मेदारी? तब सामने से आवाज आई? आप वहीं से खेलें ये वाली पारी? कहने वाले ने कहा समझ तो गये होंगे आप कि जब हुई होगी ये घटना? तो किसका दिल हुआ होगा भारी?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि मोदी जी वाली रैली को लेकर बस वाले मैटर में हमने भगवामयी क्रान्तिकारी मैडम त्यागी जी के जब पढ़े संदेश? तब उनके शब्दों को पढ़कर कन्फ्यूज हो गया हमारा फेस? उनके शब्दों ने हमको करा दिया इस बात का एहसास? अब कमल वाले मैटर में उनका इंटरेस्ट नहीं है खास? वो खुलकर रख रही हैं अपने दिल की बात? अब उन्हें किसी विरोध का डर नहीं? उनके लिए अब है सिर्फ सनातन ही जिंदाबाद?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि बजे थे शाम के 5 बज कर 5 मिनट? हमने देखा भगवा कमांडर ले गये अपने साथियों को अंदर? और अंदर जाकर देखा तो पता चला कि वो देख रहे थे धुरंधर? इस पल में उनके प्रिय चेहरे भी थे उनके साथ? जिन्होंने अभी नया पोलिटिक्ल अवतार लिया है? पूरे चार घंटे तक वो दिखाई दिये उनके साथ? सुना है दोनों ही दुश्मन को कैसे नस्तेनाबूत करना है? इस बात की लेकर निकले हैं सीख? कुछ इनको और कुछ उनको करने हैं अपने विशेष वाले शुभचिंतक ठीक?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि जब मंडल की और महानगर की टीम में नहीं रखा गया मिस्टर सियाल का ख्याल? सुना है फिर इस मामले को मैम्बर चौधरी ने अपने हिसाब से रखा संभाल? उन्होंने सियाल का टूट ना जाये दिल? इसलिए दर्द-ए-दिल के जख्मों को अपने अंदाज से दिया सिल? दे दी इस चेहरे को अपने प्रतिनिधि की जिम्मेदारी? कहा हम वो हैं जो कहीं तक भी जाकर निभा सकते है अपनी यारी?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ के ओबीसी चेहरे ने युवा क्रान्तिकारी त्यागी को करा दिया है एहसास? कह दिया है कि तुम अपनी ताकत पर जारी रखना अपने प्रयास? वो पहला दिखाकर दूसरा डालने की रखता है कला? वो तुझे आगे रखकर कर देगा गिरी का भला? कहने वाले ने कहा कि हो सकता है कि ओबीसी चेहरे की बात में हो दम? क्योंकि इतिहास तो यही बता रहा है गैरों पर करम अपनों पर हुआ है सितम?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ में फेसबुक-फेसबुक खेलने वाले शब्दों के बाजीगर रखें विशेष रूप से अपनी लेखनी पर ध्यान? यहां पर एक युवा दावेदार ने डाला हुआ है डेरा सच्चा सौदा? एक झटके में स्क्रीनशॉट लेकर वो सामने वाले का काम कर देता है तमाम? सुना है ऐसा करके वो बन गया है मजबूत चेहरे का विश्वासपात्र? बहुत डाटा उसने जोड़ लिया है? ये किसी को भी घाटा दे सकता है? इसलिए रहें होशियार?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि देवतुल्य भी हो गया एक जनप्रतिनिधि की बात को सुनकर कन्फ्यूज़? सुना है जब वो पहुंचा अपना काम लेकर जनप्रतिनिधि के पास? उसे देखते ही जनप्रतिनिधि की जुबान से निकला दूसरे जनप्रतिनिधि का नाम? बिना देर किये कहा गया वहीं जाओ और उन्हें बताओ तुम तो हो उनके खास? क्या सीन में आता है लाईनपार का भी कुछ मामला? देवतुल्य ने इसके बाद कह दिया मैं तो बिना सिफारिश के ही हूं भला?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

थर्मोकूल को एमएसएमई प्रादेशिक पुरस्कार मंत्री राकेश सचान ने किया गया सम्मानित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कानपुर में आयोजित उत्तर प्रदेश सरकार के प्रादेशिक पुरस्कार वितरण समारोह में गाजियाबाद स्थित थर्मोकूल होम एप्लांयसेज लिमिटेड को विशिष्ट गुणवत्ता उत्पादन के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में इंडिया सेल्स हेड हरीश सपरा को पुरस्कार प्रदान किया। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न इकाइयों को सम्मानित किया गया। थर्मोकूल को प्रादेशिक पुरस्कार के तहत धनराशि का चेक, प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी देकर नवाजा गया।

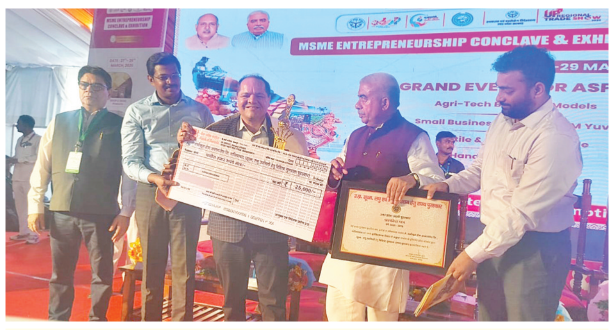

चेयरमैन ने जताया आभार

करंट क्राइम। थर्मोकूल होम एप्लांयसेज लिमिटेड के चेयरमैन राजीव कुमार गुप्ता ने इस सम्मान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार, एमएसएमई विभाग एवं संबंधित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस उपलब्धि को अपने बड़े भाई संजीव कुमार गुप्ता एवं कंपनी के सभी कर्मचारियों को समर्पित करते हुए इसे टीमवर्क का परिणाम बताया।

उद्योग क्षेत्र में योगदान की सराहना

करंट क्राइम। कार्यक्रम के दौरान मंत्री राकेश सचान ने थर्मोकूल के उत्पादों की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश के औद्योगिक विकास में ऐसे उद्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कंपनी के कार्यों को गुणवत्तापूर्ण उत्पादन का उदाहरण बताया। इस अवसर पर जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र के उपायुक्त उद्योग आशुतोष सिंह ने भी कंपनी के चेयरमैन राजीव कुमार गुप्ता को बधाई दी और उनके प्रयासों की प्रशंसा की।

दादरी रैली में अभिषेक गर्ग की सक्रिय भागीदारी, सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ रहे मौजूद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गौतमबुद्धनगर के दादरी में आयोजित समाजवादी समानता भाईचारा रैली में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। रैली में दिखा जनसमूह आगामी राजनीतिक माहौल को लेकर चर्चाओं का केंद्र बना रहा। इस दौरान सपा के प्रदेश सचिव एवं गाजियाबाद सदर विधानसभा सीट से दावेदारी कर रहे अभिषेक गर्ग भी सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ रैली में शामिल हुए। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराई और संगठनात्मक सक्रियता दिखाई।

रैली में अभिषेक गर्ग के साथ आए कार्यकर्ताओं की मौजूदगी से गाजियाबाद सदर क्षेत्र में उनकी सक्रियता और संपर्क का संकेत मिला। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया और उन्होंने पार्टी के समर्थन में नारे भी लगाए। यह रैली समाजवादी पार्टी के लिए जनसंपर्क और संगठन को मजबूत करने का एक मंच रही, जिसमें अभिषेक गर्ग की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही।

गाजियाबाद में युवक ने शराब समझकर पीया तेजाब: लोनी में बाथरूम क्लीनर गटका, जीटीबी अस्पताल में उपचार जारी

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की परमहंस विहार कॉलोनी में एक युवक ने शराब समझकर बाथरूम साफ करने वाला तेजाब पी लिया। युवक के शोर मचाने पर परिजनों ने उसे संयुक्त अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। युवक का उपचार जीटीबी अस्पताल में जारी है। परमहंस विहार कॉलोनी निवासी 44 वर्षीय ताज मोहम्मद पेशे से पेंटर हैं। उनके भाई सलमान ने बताया कि ताज मोहम्मद शराब पीने के आदी हैं और नियमित रूप से शराब का सेवन करते हैं। शनिवार को ताज मोहम्मद ने घर के कमरे में रखा बाथरूम साफ करने वाला तेजाब शराब समझकर पी लिया। तेजाब पीने के बाद जब उन्होंने शोर मचाया, तब परिजनों को घटना की जानकारी हुई। परिजन तुरंत उन्हें संयुक्त अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद पुलिस को सूचना दी और पीड़ित को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों ने ताज मोहम्मद को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया है।

आजाद ऑयल कंपनी में लगी आग
लाल कुआं इंडस्ट्रियल एरिया में फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियों ने पाया काबू

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के लाल कुआं क्षेत्र स्थित साउथ साइड जीटी रोड इंडस्ट्रियल एरिया में आजाद ऑयल एक्सपेलर कंपनी में दोपहर करीब 2 बजे आग लग गई। आग लगने से फैक्ट्री और आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

जानकारी के अनुसार, यह फैक्ट्री प्लास्टिक का दाना बनाने का काम करती थी। आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप ले लिया और इसका धुआं दूर-दूर तक फैल गया। आग तेजी से फैलते हुए पास की नारियल पैकिंग फैक्ट्री तक पहुंच गई और उसे भी अपनी चपेट में ले लिया।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। फैक्ट्री में मौजूद सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं।

फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट या किसी तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है, लेकिन वास्तविक कारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

मसूरी पुलिस ने 'ऑपरेशन परिहार' के तहत जागरूकता अभियान चलाया
ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा, साइबर अपराध और कानून व्यवस्था पर जागरूकता

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के आयुक्त के निर्देश पर थाना मसूरी क्षेत्र में ऑपरेशन परिहार के तहत एक व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत मसूरी थाना पुलिस टीम ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पहुंचकर आमजन को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

अभियान के दौरान, पुलिसकर्मियों ने ग्रामीणों को साइबर अपराधों से बचाव के तरीके बताए। उन्होंने महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने और आपात स्थिति में डायल 112 का उपयोग करने के लिए जागरूक किया। पुलिस ने लोगों को सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों से सतर्क रहने और किसी भी भ्रामक जानकारी को साझा न करने की सलाह भी दी।

थाना मसूरी पुलिस ने जनता को आश्वस्त किया कि उनकी सुरक्षा के लिए पुलिस हमेशा तत्पर है। पुलिस ने यह भी बताया कि क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना की और सहयोग का आश्वासन दिया।

इस अभियान से क्षेत्र में जागरूकता बढ़ी है और आमजन में सुरक्षा के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है। थाना मसूरी पुलिस का यह प्रयास अपराध नियंत्रण और सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल मानी जा रही है।

लोनी में 8 साल की बच्ची से छेड़छाड़: पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के लोनी कोतवाली थाना क्षेत्र में एक 8 वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। पीड़िता के पिता ने बताया कि उनकी 8 साल की बेटी शनिवार दोपहर पास के भंडारे में खाना खाने गई थी। दोपहर करीब 2:30 बजे एक 35-40 वर्षीय युवक उसे पन्नी देने के बहाने बहला-फुसलाकर ले गया और उसके साथ छेड़छाड़ की। पिता के अनुसार, लगभग 3:30 बजे बच्ची उन्हें खेत के पास एक खंडहरनुमा मकान में बेहोशी की हालत में मिली। घटना के बाद से बच्ची सदमे में है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने जानकारी दी कि परिजनों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया जा चुका है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

मन की बात

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष डीडी यादव ने अपने कार्यालय पर बैठकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात को सुना। इस अवसर पर उनके साथ कई अन्य प्रमुख व्यक्ति भी मुख्य रूप से मौजूद थे।

संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हरनंदी महानगर द्वारा 'प्रमुख जन गोष्ठी' का दूसरा आयोजन संपन्न

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हरनंदी महानगर द्वारा प्रतापविहार स्थित लीलावती पब्लिक स्कूल में 'प्रमुख जन गोष्ठी' का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र प्रचार प्रमुख (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) पद्म तथा मुख्य वक्ता के रूप में मेरठ प्रांत कार्यवाह शिवकुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता शिवकुमार ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 'व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण' की एक अखंड एवं सतत यात्रा है, जिसमें संगठनात्मक कार्यपद्धति, सामूहिक निर्णय और स्वावलंबन के मूल्यों को विकसित किया जाता है।

मुख्य अतिथि पद्म ने नागरिक निर्माण, संगठन की शक्ति, संस्कार युक्त शिक्षा, सामाजिक समरसता, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत उत्तरदायित्व, और सनातन परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज को जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद एवं प्रांतवाद जैसी संकीर्णताओं से ऊपर उठकर एकात्म भाव से कार्य करना होगा।

वैशाली महानगर संघ शताब्दी वर्ष पर 'प्रमुख जन गोष्ठी' का आयोजन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में वैशाली महानगर द्वारा मोहन नगर स्थित आईटीएस कॉलेज में 'प्रमुख जन गोष्ठी' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मेरठ प्रांत के सह-प्रांत संपर्क प्रमुख वेदपाल ने 'व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण' के संकल्प पर जोर दिया। मुख्य वक्ता वेदपाल ने कहा कि डॉ. हेडगेवार ने कठिन परिस्थितियों में राष्ट्रभक्ति के भाव के साथ संघ की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि सामूहिक कार्यपद्धति और आत्मगौरव के जागरण से ही भारत पुनः विश्व गुरु बन सकता है। संघ पिछले 100 वर्षों से चरित्रवान नागरिकों के निर्माण की अखंड यात्रा पर है।

मुख्य अतिथि अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख प्रदीप जोशी ने नागरिक कर्तव्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज को जातिवाद और क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर एकात्म भाव से कार्य करना होगा। उन्होंने संस्कारयुक्त शिक्षा, पारिवारिक उत्तरदायित्व और सनातन परंपराओं के महत्व को रेखांकित किया। अध्यक्षता प्रमुख समाजसेवी अनिल चौधरी ने की। इस अवसर पर महानगर संघचालक माखन लाल, महानगर कार्यवाह श्रीकांत, सह-संघचालक संजय, महानगर प्रचारक रोहित आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

फर्जी कागजों के आधार पर की जमीन की बिक्री

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के लोनी थाना क्षेत्र में जमीन से जुड़ी धोखाधड़ी के एक मामले में पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्लॉट बेचने से जुड़ा हुआ है। जानकारी के अनुसार 8 अगस्त 2025 को विवेक सिंहल, निवासी संयोग नगर, मधुबन बापूधाम, गाजियाबाद ने लोनी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि कुछ अज्ञात लोगों ने उनके साथ धोखाधड़ी की और प्लॉट के फर्जी और कूटरचित कागजात तैयार किए। आरोपियों ने गाली-गलौज भी की थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान सुन्दर नाम के व्यक्ति की भूमिका सामने आई। वह रामपार्क एक्सटेंशन, थाना ट्रोनिका सिटी, गाजियाबाद का रहने वाला है और प्रॉपर्टी का काम करता है। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की और 28 मार्च 2026 को उसे लोनी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।